

Daily सच के हक में. HE PHONINE

पत्नी संग पहुंचे शिब्र सोरेन

महाधिवेशन की शुरूआत झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिंबू सोरेन और पार्टी की

उपाध्यक्ष रूपी सोरेन की उपस्थित से हुई। खराब

भाग लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद अपने माता-

स्वास्थ्य के बावजूद दोनों नेताओं ने इस महाधिवेशन में

Rakul Preet Singh If She's A Part Of...

Ranchi ● Tuesday, 15 April 2025 ● Year: 03 ● Issue: 90 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

सोमवार से झारखंड मक्ति मोर्चा

(झामुमो) का 13वां केंद्रीय

महाधिवेशन सोमवार से रांची के

खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर

स्टेडियम में शुरू हो गया। दो

दिवसीय इस महाधिवेशन में

झारखंड सहित देश के 8 से अधिक

राज्यों से पार्टी के 3500 से अधिक

प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिनिधियों

को संबोधित करते हुए कहा कि

हमारा राज्य अनगिनत शहादतों और

संघर्षों के बाद मिला है। झामुमो शुरू

आदिवासियों और पिछडों का

दलितों,

से ही किसानों.

प्रतिनिधित्व करता आया है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा का १३वां महाधिवेशन खेलगांव स्टेडियम में शुरू, ८ से अधिक राज्यों के ३५०० प्रतिनिधि ले रहे हिस्सा

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

विरासत को आगे बढ़ा रहे झामुमो के

कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड की माटी से उपजे एक

सपने को दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी ने आंदोलन की मशाल

सिपाही : कल्पना सोरेन

108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

DUMKA: सोमवार को जिले

दुमका में दंपती को चाकू घोंपकर उतारा मौत के घाट

के गोपीकांदर थाना क्षेत्र में डबल मर्डर से सनसनी फैल गई है। घटना गोपीकांदर थाना क्षेत्र के पहाडपर गांव में एक दंपती की चाक घोंपकर हत्या कर दी गई है। मतक की पहचान मोहन सोरेन और पत्नी बोरोनिका हेम्ब्रम के रूप में हुई है। घटना से गांव के लोग स्तब्ध हैं। मृतक दंपती मामा के घर में रहता था। जमीन संबंधी विवाद में वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। पलिस मामले की जांच के लिए गांव में पहुंच छानबीन में जुट गई है। डीएसपी खद घटनास्थल पर मौजद हैं। डॉग स्क्वायड और अन्य सीनियर ऑफिसर्स को जांच के लिए बलाया गया है। वरीय पदाधिकारियों और डॉग स्क्वायड को घटनास्थल पर बुलाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए

भारत से भागा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

छापेमारी की जा रही है।

NEW DELHI: पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ऋण धोखाधड़ी केस में वांछित भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। 65 वर्षीय चोकसी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पृष्टि नहीं की गई है। खबरों में कहा गया कि पिछले महीने खलासा हुआ था कि चोकसी बेल्जियम में रह रहा है। बेल्जियम सरकार ने यह स्वीकार भी किया था। बेल्जियम सरकार के प्रवक्ता डेविड जॉर्डन्स ने बयान में कहा था कि बेल्जियम सरकार भारतीय कारोबारी मेहल चोकसी की गतिविधियों पर पैनी नजर रख रही है। वह अभी जेल में है। भारत की प्रत्यर्पण की अपील के बाद बेल्जियम में यह कार्रवाई की गई है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पांच बारूदी सुरंगों को किया गया नष्ट

BIJAPUR: छत्तीसगढ के बीजापर जिले में सुरक्षाबलों ने पांच बारूदी सुरंग बरामद की हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के बीजापर थाना क्षेत्र में गोरना-मनकेली मार्ग से सुरक्षाबलों ने पांच बारूदी सुरंग बरामद कर उसे नष्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि आज बीजापुर थाना और जैतालुर गांव स्थित सुरक्षा शिविर से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में गोरना-मनकेली गांव रवाना किया गया था। इसी दौरान बारूदी सुरंगें दिखीं।

चंताजनक

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK:

नहीं जा सकता है। लेकिन, सेहत की परेशानी के

प्रति व्यक्ति की जागरूकता भी महत्वपूर्ण होती है।

कैंसर जैसे जानलेवा बीमारी का इलाज बेशक

महंगा है और इसकी प्रक्रिया भी लंबी है, लेकिन

इसके नियंत्रण में जागरूकता की भी महत्वपूर्ण

भूमिका है। हाल में हुए एक विशेष अध्ययन में ये

तथ्य सामने आए हैं कि भारत में जागरूकता की

कमी के कारण भी महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के

मामले अधिक बढ़ रहे हैं। यह चिंताजनक है कि

भारत में हर साल लाखों महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर के

कारण अपनी जान गंवा देती हैं। अपडेट स्टडी की

मानें तो प्रति एक लाख महिला पर मृत्युदर 12.7

है। ब्रेस्ट कैंसर पीड़ित के पांच वर्ष तक जीवित

रहने की संभावना ६६.४ फीसदी होती है। इसके

बेहद अभाव है। ताजा अध्ययन में पाया गया है कि

भारत में 45 वर्ष और उससे अधिक उम्र की सिर्फ

बावजूद जानलेवा रोग के प्रति जागरूकता का

यह सही है कि किसी की सेहत के साथ कब किस प्रकार की परेशानी उभर जाए, यह कहा

संघर्ष व अनगिनत शहादतों के बाद मिला है यह राज्य : हेमंत सोरेन

बायोमेड सेंट्रल पब्लिक हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित की गई है विस्तृत रिपोर्ट हर साल इस रोग से 🔊 पीड़ित लाखों मरीजों की

असमय हो जाती है मौत

66.4 फीसद होती है ब्रेस्ट ᠉ कैंसर पीड़ित के पांच वर्ष तक जीवित रहने की संभावना

2.9 फीसदी दर्ज की गई। नागालैंड में

मुंबई और वाराणसी स्थित टाटा मेमोरियल सेंटर के शोधकर्ताओं ने की है स्पेशल स्टडी

३५ हजार से अधिक ᠉ महिलाओं के डाटा का किया गया है व्यापक विश्लेषण

45 साल से ऊपर की महिलाओं पर अध्ययन

शोधकताओं ने लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया से 35 हजार

उससे अधिक आयु के 73 हजार से अधिक लोगों का राष्ट्रीय प्रतिनिधि

अध्ययन है। विश्लेषण के परिणामों से पता चला कि 45 वर्ष और उससे

फीसद था। 45-59 वर्ष की आयु में यह 1.7 फीसदी और 60 वर्ष और

अधिक आयु की भारतीय महिलाओं में मैमोग्राफी का प्रचलन 1.3

मैमोग्राफी : एक एक्स-रे इमेजिंग प्रक्रिया

मैमोग्राफी एक एक्स-रे इमेजिंग प्रक्रिया है, जो स्तन कैंसर का पता लगाने

और उसका निदान करने के लिए उपयोग की जाती है। यह एक स्क्रीनिंग

और डायग्नोस्टिक उपकरण दोनों है, जो स्तन के ऊतकों की तस्वीरें लेने के

उससे अधिक आयु की महिलाओं में 0.9 फीसदी था।

लिए कम ख़ुराक वाली एक्स–रे प्रणाली का उपयोग करता है।

से अधिक महिलाओं के डाटा का विश्लेषण किया, जो 45 वर्ष और

यूरोपीय देशों व अमेरिका की स्थिति बेहतर

भारत में केवल एक प्रतिशत महिलाएं ही कराती हैं मैमोग्राफी

अफ्रीकी देशों में 4.5 फीसद महिलाएं मैमोग्राफी कराती हैं। कोरिया और जापान जैसे एशियाई देशों में यह दर 40 से 60 फीसद है। यूरोपीय देशों व अमेरिका में 84 फीसद महिलाएं नियमित रूप से नैनो ग्राफिक करती हैं। अध्ययन के दौरान पाया गया कि मैमोग्राफी का सबसे अधिक चलन केरल और कर्नाटक में है, जहां यह दर क्रमशः ४.५ फीसदी और

आंकड़ा शून्य के करीब रहा, जबिक आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में यह दर क्रमश 0.1 फीसदी और 0.27 फीसदी रही। बायोमेड सेंट्रल पब्लिक हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि ब्रेस्ट कैंसर का शीघ्र पता लगाने के उद्देश्य से शुरू किए एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम का कवरेज अपर्याप्त है। एक फीसदी महिलाएं ही मैमोग्राफी कराती हैं।

पिता को आवास से लेकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे, जिससे पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। काफी देर तक वह अपने पिता की व्हीलचेयर

थामे उनके पीछे खड़े रहे। शिबू सोरेन और रूपी सोरेन ने हाथ हिलाकर प्रतिनिधियों का उत्साह बढाया। आंदोलन चरम पर था. तब हजारों साकार : हेमंत सोरेन ने कहा कि लोग उनके पीछे खड़े होते थे। अलग राज्य के लिए चला यह

आंदोलन बहुत लंबा और संघर्षपूर्ण था, लेकिन अंततः सपना साकार अलग राज्य का दर्जा मिलने के बाद हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि यह राज्य की कमान उन लोगों के हाथ

दुर्भाग्य की बात है कि झारखंड को में गई, जिन्हें इस धरती के लोगों से

कोई सरोकार नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे लोगों ने राज्य के

लिए बलिदान दिया, लेकिन विकास की दिशा में चर्चा और काम

बनाई। उसी विरासत को हम सभी झामुमो सिपाही हेमत सोरेन जी के नेतृत्व में संकल्प की नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। कदम से कदम मिलाकर हम झारखंड के स्वाभिमान और समृद्धि के लिए एकजुट हैं। महाधिवेशन के दौरान बंसत सोरेन, मंत्री हफीजुल हसन सहित कई वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती पर हरियाणा के हिसार में पीएम मोदी ने जनसभा को किया संबोधित, कहा-

कांग्रेस ने एससी-एसटी व ओबीसी को बना दिया दूसरे दर्जे का नागरिक

- ≫ बाबा साहब के बनाए संविधान को नष्ट करने वाली पार्टी बन गई है कांग्रेस
- ≫ समान नागरिक संहिता है संविधान की भावना, कांग्रेस इसके खिलाफ
- ≫ बाबा साहब के जिंदा रहते कांग्रेस ने किया उनका अपमान चुनाव में दो बार हरवाया

HISAR @ PTI : सोमवार को हरियाणा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अन्य पिछडा वर्गों (ओबीसी) को दसरे दर्जे का नागरिक बना दिया था। मोदी ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने (कांग्रेस ने) अंबेडकर के साथ क्या किया। बाबा साहब जब जीवित थे तो कांग्रेस ने उनका अपमान किया और उन्हें दो बार चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। तत्कालीन कांग्रेस सरकार उन्हें बाहर करना चाहती थी।

महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से अयोध्या के लिए पहली वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाने और हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल



कभी नहीं की दलितों की परवाह

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि संविधान में अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछडा वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन कांग्रेस ने कभी उनकी परवाह नहीं की। पीएम ने कहा, बाबा साहब समानता लाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने देश में वोट बैंक (की राजनीति) का वायरस फैलाया। वह चाहते थे कि हर गरीब व्यक्ति सिर उठा कर जिए, लेकिन कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता हासिल करने के लिए पवित्र संविधान को हथियार बना लिया और वोट बैंक (की राजनीति) का वायरस फैलाया।

भवन की आधारशिला रखने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को नष्ट करने वाली पार्टी बन गई है। मोदी ने आरोप लगाया कि जब भी कांग्रेस की सरकार को खतरा हुआ,

उसने संविधान को कुचल दिया। उन्होंने अपने दावे की पृष्टि के लिए 1975-77 के आपातकाल का हवाला दिया। उन्होंने कहा, संविधान की भावना समान नागरिक संहिता की है, जिसे मैं धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता कहता हं।

अंबेडकर के शत्रु हैं भाजपा-आरएसएस, चुनाव हराने में थी सावरकर की भूमिका : खड़गे

NEW DELHI @ PTI: सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का सिर्फ नाम लेती है, जबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोग उनके शत्रु हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस पर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाए जाने को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि बाबासाहेब को चुनाव में हराने के लिए भाजपा के वैचारिक पर्वज जिम्मेदार थे। खडगे ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा और आरएसएस का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि ये लोग बाबासाहेब के शत्रु हैं। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों ने संविधान की प्रति जलाई, उनके चेले आज सत्ता में बैठे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा कहती है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब जबिक सच्चाई यह है कि कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहेब को संविधान सभा का सदस्य बनाया, मसौदा समिति का प्रमुख बनाया। उन्होंने आंबेडकर के एक पत्र की प्रति दिखाते हुए कहा, बाबासाहेब ने अपने एक मित्र को 18 जनवरी 1952 में



जनगणना जरूरी

खड़गे ने संवाददाताओं से बातचीत में सामाजिक न्याय से संबंधित उन पांच बिंदुओं का उल्लेख किया जो बीते नौ अप्रैल को आयोजित कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन उन्होंने कहा, जाति जनगणना जरूरी है। अभी केंद्र सरकार 2011 के जनगणना के आंकड़ों पर अपनी योजनाएं बना रही है और 2021 में होने वाली जनगणना का अभी तक पता नहीं है। हम मांग करते हैं कि जनगणना के साथ ही जाति जनगणना भी कराई जाए, क्योंकि इतने वर्षों के बाद भी यह नहीं मालूम है कि आज समाज के अलग-अलग वर्गों की वास्तविक हालत कैसी है।

हराने में एसए डांगे (कम्युनिस्ट नेता) और विनायक सावरकर (हिंदू महासभा) का हाथ था। ये दोनों चाहते थे कि बाबासाहेब हार जाएं और यही उनकी मंशा थी।

झमाझम हुई बारिश, गिरा पारा, रांची में वज्रपात से एक की मौत भी आशंका है। इन जिलों में 40-**PHOTON NEWS RANCHI**

सोमवार को राजधानी रांची सहित झारखंड के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। इससे तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई। दिन की गर्मी से शाम को राहत मिल गई। शाम में लोगों को ठंड का एहसास होने लगा। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड के कई जिलों में 15 और 16 अप्रैल को बारिश होने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रांची के डोरंडा में



दिन में थी तेज गर्मी

रांची में सोमवार को तापमान 35 डिग्री रिकार्ड किया गया। दिन में गर्मी जला रही थी। लेकिन दोपहर बाद बारिश ने लोगों को राहत दी। जमशेदपुर में 37.1, डालटेनगंज में 37.4. बोकारो में 39.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान ३९.८ डिग्री

वज्रपात की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान बड़ा घाघरा के अनुप कच्छप के रूप में हुई है। मौसम

जागरूकता की कमी के कारण भी बढ़ रहे ब्रेस्ट कैंसर के मामले

सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

विभाग के अनुसार, 15 अप्रैल को झारखंड के दक्षिणी और इससे लगे हिस्सों में गरज के साथ ओलावृष्टि और वज्रपात होने की

50 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेन्ज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों में गर्जन, वज्रपात और 40-50 किमी कि गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इन जिलों में पलाम्, गढ़वा, लातेहार, चतरा, लोहरदगा और कोडरमा जिला शामिल है। इन जिलों के लिए भी येलो अलर्ट है।

लिखे पत्र में खद बताया था कि उन्हें

पोरबंदर के पास समृद्र से १८०० करोड़ रुपये के ३०० किलोग्राम इग्स जब्त



गुजरात के पोरबंदर से 190 किलोमीटर दर समद्र से 1800 करोड़ रुपये का 300 किलोग्राम ड्रग्स जब्त किया गया है। भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) और एंटी टेरिरस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता 12-13 अप्रैल की रात को मिली है। इस दौरान 14 क्रू मेंबर को भी पकड़ा गया है। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी और आईसीजी ने सोशल साइट पर यह जानकारी साझा की है। कोस्ट कार्ड और एटीएस ने एक बड़े ऑपरेशन के जरिए ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी। गुजरात और महाराष्ट्र के बीच अरब सागर में संदिग्ध बोट से 1800 करोड़ रुपये का 300 किलो मेफेड्रोन (एमडी) पकड़ा गया है। एजेंसियों के इनपुट के आधार पर पोरबंदर से दूर समुद्र में स्पीड बोट और अन्य जरूरी संसाधन के साथ ऑपरेशन शुरू किया गया। गुजरात और महाराष्ट्र के समुद्र के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा रेखा के समीप संदिग्ध बोट को रोका गया। हालांकि बोट की राष्ट्रीयता और क्रू की विशेष

PORBANDAR : सोमवार को

जानकारी नहीं मिली है।

जैसे युद्ध छेड़ दिया, पेट्रोल बम, पत्थरों से हुए हमले'



'मुर्शिदाबाद में हमारे खिलाफ

AGENCY KOLKATA: पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज इलाके में वक्त संशोधन कानून को लेकर भड़की हिंसा के बाद हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस क्षेत्र में सुरक्षा के लिहाज से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)

की नौ कंपनियों

को तैनात किया

बीएसएफ के

दक्षिण बंगाल

डीआईजी और

पीआर ओ

नीलोत्पला

कुमार पांडे ने

कहा कि जवानों

के पहुंचने पर

अराजक तत्वों

फ्रांटियर

≫ पश्चिमी बंगाल में तैनात बीएसएफ के डीआईजी ने बयां की उपद्रवियों की हरकत

» भारी पथराव में कुछ जवानों को मामूली चोटें, स्थानीय लोग

खिलाफ जैसे युद्ध छेड़ दिया। हमारी पेट्रोलिंग पार्टी पर ईंट-पत्थरों के साथ पेट्रोल बम फेंके गए। हमला करने वाले वही लोग हैं, जो इलाके में लगातार कानून व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि हालांकि इस हमले में किसी भी बीएसएफ जवान के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। भारी पथराव में कुछ जवानों को मामूली चोटें आई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीएसएफ ने सुसूतिया और शमशेरगंज पलिस थाना क्षेत्र सहित आसपास के संवेदनशील इलाकों में अपनी उपस्थिति बढ़ा दी है। बीएसएफ ने माना है कि स्थानीय लोग डरे हुए हैं। इस डर को दूर करने और विश्वास बहाल करने के लिए

ममता सरकार के खिलाफ साजिश रचने का आरोप

सेंट्रल फोर्स की तैनाती को लेकर तृणमूल ने भाजपा और केंद्र सरकार पर साजिश का आरोप लगाया है। इस पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि केंद्र सरकार पर साजिश के आरोप बेबुनियाद हैं। यह एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति है। जब हिन्दुओं पर हमले हो रहे थे, तब पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि पलिस का रवैया शुरूआत में बेहद ढीला था, लेकिन अब केंद्रीय बल स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण कर रहे हैं।

जवान लगातार इलाके में फ्लैग मार्च कर रहे हैं। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि हम राज्य पुलिस के साथ मिलकर समन्वय में काम कर रहे हैं ताकि स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सके। शुरूआती दौर में प्रशासन के अनुरोध पर दो कंपनियों को मौके पर भेजा गया था। जब हालात बिगडने लगे तो अतिरिक्त बलों की तत्काल तैनाती की गई। संवेदनशील इलाकों संभावित हॉटस्पॉट्स बीएसएफ की तैनाती की गई है। घरों को लौटे 19 परिवार : राज्य पुलिस महानिदेशक व्यवस्था) जावेद शमीम ने सोमवार को बताया कि इलाके में दकानें खलने लगी हैं और हिंसा के बाद विस्थापित हुए परिवार अब लौटना शुरू कर चुके हैं।

तहव्वुर राणा ने मुंबई जैसे आतंकी हमले के लिए नई दिल्ली को किया था चिह्नित : कोर्ट

NEW DELHI @ PTI : राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने अपने एक आदेश में यह उल्लेख किया है कि मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा ने इसी तरह के आतंकी हमले के लिए नई दिल्ली को चिह्नित किया था और यह उस साजिश का हिस्सा था, जिसका दायरा भारत की भौगोलिक सीमाओं से परे तक फैला हुआ था। एक सूत्र ने बताया कि विशेष एनआईए न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने 10 अप्रैल को पारित एक आदेश में कहा है कि इस बारे में जांच एजेंसी द्वारा पर्याप्त सामग्री पेश की गई है कि वर्तमान मामले से जुड़े आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हैं। माना जाता है कि न्यायाधीश ने 12 पृष्ठ के आदेश में उल्लेख किया है कि,



रिकॉर्ड पर पेश की गई सामग्री दशार्ती है कि इस साजिश का विस्तार भारत की भौगोलिक सीमाओं से परे तक था और राष्ट्रीय राजधानी सहित भारत के कई शहरों के विभिन्न स्थानों के रूप में कई लक्ष्यों को चिह्नित करने की कोशिश की गई थी। न्यायाधीश ने कहा कि मामले की तह तक पहुंचने और गहरी साजिश में निहित तथ्यों को उजागर करने के लिए (राणा से) लगातार हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता है।



GIRIDIH: भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा किपश्चिम बंगाल में हिंसा कहीं से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में सिर्फ एक समुदाय के अलावा अन्य समुदाय के लोग भी रहते हैं,जिन्हे सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेवारी पश्चिम बंगाल की सरकार को बगैर भेदभाव के करना चाहिए । केन्दीय मंत्री सोमवार को गिरिडीह में पत्रकारों से बात कर रही थी। केंद्रीय मंत्री ने मर्शिदाबाद के हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंसा का वीभत्स रूप देखा जा रहा है।जिसे कहीं से भी अच्छा नहीं बोला जा सकता है । उन्होंने कहा कि उपद्रवी लोगों के घरों में घुसकर हिंसा कर रहें है लोगों के घरों को जलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों की हत्या तक की जा रही है। और आलम यह है कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार लगातार हिंसा को बढ़ावा देने पर अमादा है। केन्दीय मंत्री ने कहा कि केवल खास समूह को इस तरह का कृत्य करने के लिए सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है और मुझे लगता है कि यह सही नहीं है । केन्द्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल सरकार की नियत पर सवाल उठाया और कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार क्या किसी खास समृह के लिए ही बनी है ओर खास समृह के लिए ही काम कर रही है। उन्होंने कहा है कि सर्वोच्य सदन ने जिस बिल को पास कर दिया है और राष्ट्रपति ने उस बिल पर मुहर लगा दी है और अब वह कानन बन गया है, उस बिल के विरोध में इस तरह की हिंसा होना कानून व्यवस्था के लिए कतई सही नहीं है ।

चैनपुर में 21 दिन बाद जलापूर्ति शुरू



PALAMU: जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से सटे चैनपुर जलापूर्ति के शाहपुर इंटकवेल की मोटर में खराबी आ जाने के कारण लगभग 21 दिनों से जलापूर्ति बन्द थी। नगर आयुक्त ने कनीय अभियंता अवध साह और पाइपलाइन निरीक्षक छोटे लाल गुप्ता को युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए जल्द जलापूर्ति बहाल करने का निर्देश दिया था। लगातार मरम्मत कार्य करते हुए सोमवार को एक वीटी मोटर से जलापूर्ति किसी तरह शुरू करायी गयी। बेलवाटिका पंपूकल जलापूर्ति से दूसरी वीटी मोटर लगाने का प्रयास किया जा रहा है। बताते चले कि मोटर जल जाने के बाद मोटर रिवाइंडिंग कर लगाया गया। इसी क्रम में पम्प के इम्पेलर में खराबी हो जाने के कारण रांची वर्कशाप में भेजा गया था। बनकर आने के बाद भी तकनीकी गड़बड़ी के चलते पुनः रांची भेजना पड़ा था। 13 अप्रैल की देर रात मोटर रांची से बनकर आयी। नगर निगम कर्मियों के अथक प्रयास से मोटर को फीट कर चालू कर दिया गया है। फिलहाल एक मोटर चालू हो गयी है। नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने गर्मी को देखते हुए दूसरा वीटी मोटर पम्पूकल बेलवाटिका जलापूर्ति से शाहपुर इंटकवेल में फिट कर जलापूर्ति जल्द सुदृढ करने का निर्देश दिया है।

पंजीकरण कर सकते हैं।

भारतीय वाय सेना द्वारा

अग्निवीर-वायु (संगीतकार)

भर्ती रैली (नई दिल्ली और

बेंगलुरु में) योग्य अविवाहित

पुरुष और महिला उम्मीदवारों से

ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

किया गया है। इसमें अभ्यर्थी का

जन्म 1 जनवरी 2005 और 1

जुलाई 2008 (दोनों तिथियों

केवल पंजीकत उम्मीदवार जिन्हें

अस्थायी प्रवेश पत्र जारी किया

गया है, उन्हें भर्ती रैली में

उपस्थित होने की अनुमति दी

जाएगी। तिथि, समय और

स्थान अस्थायी प्रवेश पत्र में

उल्लेखित होंगे।

सहित) के बीच हुआ हो।

व्यक्तिगत मामले को लेकर बोकारो वायु सेना में अग्निवीर अंतर्गत संगीतकार की डीआरएम ने ट्रेनों की लेटलतीफी दूर म्बर्भ वायु करने के लिए की मैराथन मीटिंग

PHOTON NEWS JSR:

अंतर्गत संगीतकार की रिक्ति निकली है। इसके लिए 21 चक्रधपुर के डीआरएम तरुण अप्रैल से 11 मई तक ऑनलाइन हरिया ने रेलवे रेस्ट हाऊस में सोमवार को इंजीनियरिंग और ऑपरेटिंग विभाग के अधिकारियों के साथ 3 घंटे तक मैराथन बैठक की। इस दौरान आदित्यपुर से सलगाझुड़ी के बीच बॉटलनेक के कारण ट्रेनों के लेट होने की समाधान पर मंथन किया। रेलवे के अधिकारियों से लूप लाइन तैयार करने, लोकल ट्रेनों के समय परिवर्तन समेत कई विकल्प बताए। इस दौरान डीआरएम ने रेलवे विकास निगम लिमिटेड के अधिकारियों से थर्ड लाइन निर्माण की प्रगति और समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान टाटानगर यार्ड निर्माण की प्लानिंग पर भी चर्चा हुई। डीआरएम ने कहा

कि एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों और



टाटानगर में अधिकारियों के साथ मंत्रण करते डीआरएम तरुण हुरिया

लोको शेड व सिक लाइन का किया निरीक्षण

डीआरएम ने रेस्ट हाऊस में मीटिंग के बाद इलेक्ट्रिक लोको शेड, ट्रेनिंग सेंटर और ट्रेनिंग सेंटर के बगल में बने क्वार्टरों का निरीक्षण किया। इस दौरान इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों ने डीआरएम को बताया कि लाइन निर्माण के दौरान यह सभी विकास कार्यों के जद में आएंगे। इनको हटाना पड़ेगा। डीआरएम ने इन सभी स्थानों को चारों तरफ से देखा। मालूम हो कि टाटानगर स्टेशन का री–डेवलेपमेंट होना है। इसके लिए 360 करोड़ का टेंडर हुआ है। इसके पहले फाइनल प्लानिंग को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। निर्माण कार्य शुरू होने से पहले आने वाली बाधाएं और समाधान के लिए डीआरएम स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं।

प्राथमिकता है, इस पर फोकस रखना है। इस दौरान एडीआरएम

मालगाड़ी का समय से परिचालन विनय कुजूर व आरपीएफ कमांडेंट एस. कुट्टी समेत कई वरीय

सुजीत सिन्हा गैंग के शातिर अपराधी सहित दो गिरफ्तार

मेदिनीनगर के शहरी क्षेत्र से दबोचे गए दोनों, देसी कट्टा, रिवाल्वर व गोली भी बरामद

अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में पलाम पलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कुख्यात अपराधी सरगना सुजीत सिन्हा गैंग से जुड़े एक शातिर अपराधी सहित दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी मेदिनीनगर शहरी क्षेत्र से हुई। उनके पास से दो हथियार, गोली, मोबाइल फोन, फर्जी आधार कार्ड आदि बरामद

सोमवार को दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मेदिनीनगर मणिभूषण प्रसाद ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया

बोकारो जिले के सेक्टर चार स्थित

लक्ष्मी मार्केट में दिनदहाड़े हुई

गोलीबारी की घटना ने पुलिस

प्रशासन को सकते में डाल दिया।

घटना में विवेक कुमार साह नामक

युवक को गोली मारी गई थी। तफ्तीश

के दौरान यह मामला और भी

चौंकाने वाला बन गया जब पता

चला कि घटना को अंजाम देने वाले

अपराधी कोई और नहीं बल्कि

बिहार पुलिस के जवान हैं। घटना के

तुरंत बाद फरार अपराधी झारखंड से

कोडरमा के रास्ते बिहार लौटने की

फिराक में थे। लेकिन कोडरमा

पुलिस की ओर से चलाए जा रहे एंटी

क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान

इन्हें धर दबोचा गया। गिरफ्तार किए

गए तीनों अपराधी बिहार पुलिस में

कार्यरत हैं और लड़का-लड़की के



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी व अपराधियों से बरामद किए गए सामान

कुख्यात अपराधी सरगना सुजीत सिन्हा गैंग से जुड़े हरि तिवारी उर्फ धीरेन्द्र कमार तिवारी को गिरफ्तार

एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान कार की तलाशी लेते पुलिस के जवान व गिरफ्त में आरोपी

बरत रही है। कोडरमा एसपी स्वयं

मामले की निगरानी कर रहे हैं और

बोकारो पुलिस की एक टीम कोडरमा

पहुंच चुकी है, जो आरोपियों की

पहचान और आगे की पूछताछ जुट

गई है। घटना के बाद इलाके में

दहशत का माहौल बना हुआ है।

पुलिस अब यह भी जांच कर रही है

कि आखिर बिहार पुलिस के जवान

निजी मामलों में हथियार लेकर

झारखंड कैसे पहुंचे और क्यों उन्होंने

कानून को अपने हाथ में लेने की

श्रमजीवी पत्रकार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक ३० को

KODERMA: भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ बीएसपीएस की राष्ट्रीय कार्यकारणी की एक महत्वपूर्ण बैढक

कोडरमा जिला के प्रसिद्ध शहर

झुमरी तिलैया के नजदीक उरवां में

30 अप्रैल को होगी। बैठक में देश

जर्नलिस्ट एसोसिएशन की कोडरमा

जिला इकाई बैठक के आयोजन को

लेकर तैयारी में जुटी हुई है। राष्ट्रीय

कार्यकारिणी की बैठक और कार्यक्रम

स्थल राष्ट्रीय उच्च मार्ग २० (पुराना

होटल एंड बैक्वेट तय किया गया है।

14 अप्रैल को जेजेए की टीम बाबा

होटल एन्ड बैक्वेट का जायजा लेने

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के दो सदस्य

झारखंड प्रदेश सचिव जावेद इस्लाम,

जगदीश सलूजा, संजीव समीर,

कोडरमा जिला अध्यक्ष अलोक

सिन्हा, जिला सचिव अनिल पांडेय,

विजय मोदी, जयकांत कुमार, मंटू

सोनी, मनीष वर्णवाल और बरही के

जयदीप सिन्हा शामिल थे। टीम ने

होटल के संचालक गौरीशंकर के

साथ होटल का बैंक्वेट हॉल, टहरने

के कमरे का जायजा लिया।

पहुंची। टीम में बीएसपीएस के

नंबर 31) उरवां मोड़ स्थित बाबा

भर के पत्रकार जुटेंगे। झारखंड

फल विक्रेता को गोली मारकर भाग

पहुंचे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार,

लक्ष्मी मार्केट में हुई यह वारदात पूरी

तरह सुनियोजित नहीं थी। अपराधियों

ने पूछताछ में बताया कि गोली गलती

से चल गई और वे डर के मारे वापस

पटना लौट रहे थे। हालांकि पुलिस

इस बयान की पृष्टि करने से पहले

सभी एंगल से जांच कर रही

है।कोडरमा पुलिस ने तत्परता दिखाते

हुए इस घटना में प्रयुक्त चार पहिया

वाहन को भी बरामद कर लिया है।

वहीं, इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी को

रहे अपराधी कोडरमा में धराए

किया गया है। हरि तिवारी पर 35

घटनाओं को अंजाम दे रहा था। गए थे। सभी अपराधियों को हरि जनवरी 2025 में मेदिनीनगर के तिवारी ने एकजुट किया था और आपराधिक घटना को अंजाम देने वाला था। इस कांड में हरि तिवारी फरार चल रहा था। हरि तिवारी के पास से एक फर्जी आधार कार्ड,

जोरदार बारिश से सूखी बकुलिया नदी में आई जान

CHATRA : पत्थलगडा सहित कई प्रखंडों में सोमवार को दोपहर बाद जोरदार बारिश हुई। बेमौसम हुई बारिश से सुखी बकुलिया नदी में जान आ गई। साथ ही खेत खलिहान जल मग्न हो गए। दोपहर एक बजे के बाद डेढ़ घंटे तक आंधी और पत्थर के साथ झमाझम बारिश हुई। दो घंटे तक ग्रामीण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। नावाडीह के सिकीटांड में वज्रपात होने सै मनरेगा बागवानी में आग लग गई। बारिश के कारण सूखी बकुलिया नदी में पानी उतर आया। पत्थलगडा में बैसाख माह में भादो सा नजारा दिखा। खेतों में लगे गरमा फसल को व्यापक नुकसान पहुंचा है। खेतों में काटकर रखें गेहूं सहित अन्य फसल बारिश से पूरी तरह भींग गए। खेतों में बारिश का पानी जमा होने से सब्जियों की खेती को नुकसान पहुंचा है। बेमौसम बारिश से आम और महुआ के उत्पादन पर असर पड़ने की

एटीएम कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद हुआ है। डालटनगंज स्टेशन रोड में राहगिरों को लूटने की इरादे से बीती रात जमा हुए दो अपराधियों में से एक को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान दो नंबर टाउन कुम्हार टोली के चंदन कुमार वर्मा के रूप में हुई है। उसके पास से एक सिक्सर, एक देशी कट्टा, दो गोली बरामद की गयी है। चंदन का साथी का कांद्र मुहल्ला का नीतीश शर्मा मौके से फरार हो गया। दोनों के खिलाफ लूट सहित अन्य आपराधिक 14 मामले दर्ज हैं। । नीतीश की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। नीतीश बिहार के गया जेल में रह

फरार आरोपी श्रवण कुमार रजक के बरवाडीह स्थित घर में ढोल बजाकर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया। पुलिस र्ने उपस्थित श्रवण कुमार रजक के पिता बालचंद रजक को बताया कि श्रवण कुमार रजक जल्द से जल्द थाना या न्यायालय में आत्मसमर्पण करें नहीं तो न्यायालय के अगले आदेश पर कुर्की जब्ती किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि श्रवण कुमार रजक की पत्नी दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। इसके बाद श्रवण कमार रजक फरार है। अवर निरीक्षक अरविंद रविदास और प्रह्लाद पासवान ने बताया कि फरार आरोपित की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने अब सख्त रूप अपनाते हुएँ उनके घरों पर इतिहास चिपकाने की कार्रवाई की है। पुलिस ढोल बजाकर पूरे इलाके में यह संदेश दिया कि फरार आरोपित जल्द से जल्द सरेंडर करे अन्यथा उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाएगी। मामले में कांड संख्या

कोडरमा में सड़क हादसे में युवक की हो गई मौत

2/2024 दर्ज है।

KODERMA : कोडरमा में बारिश के बीच सोमवार को एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत जामुखाड़ी में सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है।

मृतक की पहचान विवेक कुमार सिंह (28) के रुप में की गयी है। वह राजेंद्र सिंह का पुत्र था वह तीनतारा का रहने वाला था। मिली जानकारी के अनुसार वह अपनी बाइक से बरही से झुमरीतिलैया की ओर आ रहा था। इसी बीच जामुखाडी के समीप तेज बारिश के कारण उसके बाइक का चक्का स्लीप कर गया और बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर बने डिवाइडर



मृतक की फाइल फोटो

उसके सिर से निकल कर बाहर डिवाइडर पर जा टकराया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल इस दौरान युवक का हेलमेट कोडरमा भेज दिया।

ब्रह्मर्षि विकास मंच ने १० बालकों का कराया सामूहिक उपनयन

PHOTON NEWS JSR: ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर द्वारा 10 बटकों (बालकों) का सामृहिक उपनयन संस्कार कराया। सिदगोड़ा स्थित अमल संघ मैदान में हुलासगंज के आचार्य रंगेश शर्मा व उनके साथ आए 5 आचार्यों ने वैदिक रीति-रिवाज के साथ अनष्ठान संपन्न कराया। सोमवार को स्वस्तिवाचन, मंडप पूजन, धृतधारी, देवपूजन, चौलकर्म मुंडन, उपनयन संस्कार, वेदारंभ, अभिषेक, आशीर्वाद आदि हुए। परे संस्कार के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गीतों से परे क्षेत्र का माहौल पारिवारिक बना दिया। मुंडन के उपरांत सभी बटुक गेरुआ वस्त्र धारण कर अपने कंधे पर भिक्षाटन के पात्र लिए अपने रिश्तेदारों एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों के समक्ष भिक्षाम



सिदगोड़ा में उपनयन संस्कार के बाद मंत्रोच्चार करते बदुक

देहि... का उच्चारण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के प्रसिद्ध समाजसेवी रामाधार सिंह, श्री ब्रह्मर्षि विकास मंच सरायकेला-खरसावां के अध्यक्ष रामेश्वर शर्मा, ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर के रामप्रकाश पांडेय, महासचिव योगेंद्र मौआर, समाजसेवी सुधीर कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। मंच संचालन विनोद

शक्ला ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सधीर कुमार, विजय नारायण, कृष्णकांत, गोपाल सिंह, मुकेश, चंदन कुमार, बिरेंद्र, संजय राय, कामेश्वर तिवारी, झुलन ठाकुर, डॉ. अनिल सिंह, रवींद्र, अशोक, कुंदन, राजेश शर्मा, मनोज ठाकुर, श्रीराम ठाकुर, कृष्णनंदन सिंह, संजय सिंह, मुकेश शर्मा, अमरेंद्र आदि की

अहम भूमिका रही।

• फोटोन न्यूज

सुबह से शाम तक जय भीम... जय संविधान के नारों से गूंजता रहा पूरा राज्य

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की १३४वीं जयंती पर हुए कई कार्यक्रम

डॉ. अंबेडकर के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता : डीसी



कोर्ट मोड़ के पास कार्यक्रम में उपस्थित डीसी-एसपी व अन्य

LOHARDAGA: लोहरदगा जिला मुख्यालय सहित जिले के प्रखंड क्षेत्रों में सोमवार को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी गई। लोहरदगा कोर्ट मोड़ स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर उपायुक्त डा.वाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी हारिश बिन जमा, अनुमंडल पदाधिकारी अमीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।मौके पर कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन डीसी, एसपी सहित अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

संविधान व वर्तमान परिस्थिति पर हुई चर्चा



JAMSHEDPUR : अंबेडकर जयंती पर सोमवार को पुराना कोर्ट परिसर स्थित पेंशनर समाज भवन में परिचर्चा हुई। इसमें वक्ताओं ने संविधान व वर्तमान परिस्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मख्य वक्ता झारखंड मानवाधिकार संघ के संरक्षक अविनाश सिंह राजा थे, जमशेदपुर कार्यकर्ता संघ की ओर से केंद्रीय अध्यक्ष सह वरीय अधिवक्ता दिलबहादुर व महासचिव कृतिवास मंडल ने आरटीआई और मानवाधिकार के मामले में हो रहे कानून के उल्लंघन और हनन को केंद्रित करते हुए अपनी बातों को रखा। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को संवैधानिक अधिकार तो दे दिया गया है, लेकिन लोग अपने ही हक अधिकार के लिए न केवल दर-दर भटकते है।

बाबा साहब की प्रतिमा पर डीसी ने किया माल्यार्पण

HAZARIBAG : बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उपायुक्त नैन्सी सहाय ने डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर उपायुक्त ने संविधान के रचियता बाबा साहब के मुल्यों और उनके आदर्शों को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज, शिक्षा, राजनीति और न्याय व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे एक महान विचारक, समाज सुधारक, और संविधान निमार्ता थे। हमें उनके आदशों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक,



पतिमा पर माल्यार्पण करतीं डीसी नैन्सी सहाय आयुक्त, एनडीसी, जिला स्तरीय अधिकारी, संस्थानों के सदस्य सहित आम जन मौजूद थे।

जिला प्रशासन ने किया अंबेडकर को नमन



LATEHAR: संविधान निमार्ता एवं महान समाज सुधारक भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जिला प्रशासन की ओर से श्रद्धांजलि दी गई। चंदनडीह पार्क स्थित प्रतिमा पर आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गागराई, डीआरडीए नेदेशक प्रभात रंजन चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. अवधेश कुमार सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू सहित जिले के अन्य पदाधिकारियों ने मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

सामाजिक न्याय व समानता के प्रतीक हैं डॉ. अंबेडकर: कोचे मुंडा



बाबा साहब अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित लोग

KHUNTI: भाजपा तोरपा मंडल की ओर से मरला गांव में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर कार्यकताओं ने उन्हें नमन किया। मौके पर पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि डॉ अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतंत्र के मूल्यों का प्रतीक है, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया और स्वतंत्रता और सामाजिक समरसता के लिए संघर्ष किया। मौके पर जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, रामानंद साहू, संजय नाग, राजू साहू, सुबोध कुमार, शिवनाथ शाहदेव, छोटन भेंगरा, बोलो भेंगरा आदि उपस्थित थे।











The photon news.com Sunrise Tomorrow Sunset Today Temperature Temperature 05.32 18.08 Tuesday, 15 April 2025

रांची में बनेगा भव्य श्रीराम-जानकी तपोवन मंदिर, मुख्यमंत्री ने रखी आधारशिला

PHOTON NEWS RANCHI ः राजधानी रांची में एक और बड़ा मंदिर बनने जा रहा है। सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने संयुक्त रूप से राम-जानकी तपोवन

मंदिर की आधारशिला रखी। यह मंदिर अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर बनाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य निवारणपुर स्थित तपोवन मंदिर परिसर में शुरू हो गया। उम्मीद की जा रही है कि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो अगले तीन वर्षों में मंदिर तैयार हो जाएगा।



शहर के लोगों को शिकायत के लिए दिए गए हैं कई आप्शन

नगर निगम से जुड़ी समस्याओं

के लिए चैटबॉट पर करें कंप्लेन

> बोले सीएम हेमंत- भूमि पूजन हो गया, जल्द पुरा हो निर्माण, मजबुत होगी धार्मिक भावना

सभी श्रद्धालुओं को सीएम ने दी बधाई

मुख्य पंडितों की अगुवाई में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर अपने . 'एक्स' हैंडल पर भी अपनी उपस्थिति की जानकारी साझा करते हुए लिखा कि आज रांची में ऐतिहासिक श्रीराम-जानकी तपोवन मंदिर में भूमि पूजन समारोह कार्यक्रम में शामिल हुआ। इस शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाँई, शुभकामनाएं एवं जोहार। आधारशिला रखने के बाद उन्होंने कहा कि भूमि पूजन हो गया है। हम चाहते है कि जल्द इसका निर्माण पूरा हो। धार्मिक भावना मजबूत होगी।

भव्यता, आधुनिकता व परंपरा का होगा संगम

मंदिर के निर्माण कार्य में भव्यता, आधनिकता और परंपरा का अद्भृत संगम होगा। लगभग ५० हजार घन फींट पत्थर से बनाए जा रहे इस मंदिर में विशेष रूप से राजस्थान के मकराना से लाए गए सफेद संगमरमर का इस्तेमाल किया जाएगा। गौरतलब है कि यही संगमरमर विश्व प्रसिद्ध ताजमहल में भी उपयोग किया गया था। मंदिर की वास्तुकला पारंपरिक नागर शैली की होगी, जिसमें आधुनिक निर्माण तकनीकों का भी समावेश किया जा रहा है। यह न केवल एक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि आने वाले समय में यह रांची शहर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी होगा। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के साथ-साथ धार्मिक आयोजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी योजना बनाई जाँ रही है

O BRIEF NEWS

वर्ल्ड आर्ट डे पर कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

RANCHI: रांची के खुंटी रोड स्थित मोक्षम शरणं आर्ट गैलरी में तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी का आयोजन वर्ल्ड आर्ट डे पर किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन सोमवार को विभिन्न कलाकारों ने अपने - अपने कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में रांची और रामगढ के कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। साथ ही नई प्रतिभाओं ने भी एक से बढ़कर एक चित्र बनाये। मौके पर कलाकारों ने लाइव पेंटिंग भी की। इस आयोजन के मौके पर कई प्रख्यात पेंटर, कलाकार , शिक्षाविद और आम लोगों ने भाग लिया। एक्प्रेशन-25 नामक इस कार्यक्रम में मोक्षम शरणं आर्ट गैलरी की गैलरी की हेड शमुनमुन ढाली ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

कल मनेगा शहीद विश्वनाथ शाहदेव का शहादत दिवस

RANCHI: अमर शहीद विश्वनाथ शाहदेव ट्रस्ट की ओर से 16 अप्रैल को शहीद विश्वनाथ शाहदेव का 167 वां शहादत दिवस मनाया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को ट्रस्ट के अध्यक्ष शहीद विश्वनाथ शहदेव के वंशज ठाकुर प्रवीर नाथ शाहदेव ने दी। उन्होंने बताया कार्यक्रम का आयोजन धुर्वा के सेक्टर-तीन गोलचक्कर स्थित अमर शहीद ताकर विश्वनाथ शाहदेव चौक पर किया जाएगा।

बेड़ो थाना परिसर में कल होगा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम

RANCHI: बेडो थाना क्षेत्र के आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए थाना परिसर में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम बुधवार को होगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें संबंधित पदाधिकारी मौजद रहेंगे और जनता की शिकायतें सुनकर त्वरित समाधान का प्रयास किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हए बेडो थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को सीधे सनकर समाधान करना है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में आकर इस कार्यक्रम में हिस्सा लें और अपनी शिकायतें रखें।

VIVEK SHARMA RANCHI अगर आप भी रांची नगर निगम क्षेत्र में रहते हैं और समस्याओं से परेशान हैं तो इसकी शिकायत नगर निगम में दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए रांची नगर निगम ने अब लोगों के सामने कई आप्शन दे दिए है। इससे लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। नगर निगम ने चैटबॉट की सुविधा शुरू की है। जहां वाट्सएप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद आपकी कंप्लेन दर्ज कर ली जाएगी। वहीं मैसेज से आपको कंफर्मेशन भी मिल जाएगा कि आपकी कंप्लेन दर्ज कर ली गई है। यह पूरी तरह से एआई की तर्ज पर काम करेगा। इसमें कंप्लेन के लिए बस आपको 'हाई' करना होगा। इसके बाद आपको आप्शन मिलते

प्ले स्टोर पर स्मार्ट रांची एप :

टोल फ्री नंबर के अलावा वाट्सएप पर भी दर्ज करा सकते हैं शिकायत प्रशासक के 'एक्स' हैंडल पर भी कर सकते हैं कंप्लेन

कंप्लेन का अपडेट भी मिलेगा

अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते है। यहां पर

नगर निगम ने लोगों के लिए टोल फ्री नंबर 1800-

570-1235 जारी किया है। इस पर लोग कभी भी

आपको कंप्लेन नंबर भी दिया जाएगा। इसके आधार

पर आप कंप्लेन का अपडेट कॉल करके ले सकते

है। इस टोल फ्री नंबर पर आप किसी भी नंबर से

एक्स और इंस्टा पर भी ऑप्शन

आप अपनी शिकायत एक्स(ट्वटर) और

इंस्टाग्राम पर भी कर सकते हैं। इसके लिए

आपको Twitter - @rmccommissioner

करना होगा। इसके बाद आपकी समस्याओं का

समाधान करने के लिए संबंधित विभागों को

कंप्लेन फारवर्ड कर दिया जाएगा।

और Instagram-ranchimunicipal को टैग

कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते है।



स्टोर से लोग इस एप को डाउनलोड कर सकते हैं। इसके

आप समस्याओं के लिए कंप्लेन कर

फायदा यह है कि आप कंप्लेन का स्टेटस देख सकते है। वहीं सकते हैं। इसमें सबसे बडा

कंप्लेन को दोबारा री-ओपेन भी सकते हैं।

कांके डैम से निकाली जा रही जलकुंभी

शहर में जल स्रोतों को बचाने के लिए रांची नगर निगम काम कर रहा है। हाईकोर्ट की फटकार के बाद आए दिन इसे लेकर अभियान भी चलाया जाता है। अब शहर के सभी तालाबों के बाद कांके डैम की सफाई के लिए नगर निगम ने वीड हार्वेस्टिंग मशीन को उतारा है। इससे डैम से जलकुंभी की निकासी की जा रही है। इसके बाद किनारों पर भी सफाई कराई जाएगी। बता दें कि राजधानी की बड़ी आबादी को पीने के लिए पानी कांके डैम से भी सप्लाई की जाती है, जहां से सरफेस वाटर को टीट कर टैंकरों से लोगों के घरों तक पहुंचाया जाता है।

कर सकते है। इसके अलावा आप अपना फीडबैक भी दे

हफीजुल हसन को तत्काल मंत्रिमंडल से बाहर किया जाए : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन के बयान को लेकर राज्य की सियासत गरमा गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने प्रेसवार्ता में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि हफीजुल हसन को तत्काल मंत्रिमंडल से बाहर किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री हफीजुल हसन ने एक बयान में कहा है कि वे भारतीय संविधान से ऊपर शरीयत को मानते हैं। उन्होंने इसे संविधान का खुला अपमान और राष्ट्र विरोधी बयान करार दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर की जयंती जैसे दिन पर संवैधानिक पद पर बैठे

अक्षम्य अपराध है। संविधान की रक्षा का नाटक भाजपा नेता ने झामुमो और कांग्रेस से सवाल पूछा कि क्या वे हसन के बयान से सहमत हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया गया, तो यह मान लिया जाएगा कि 'इंडिया' गठबंधन के घटक उनके बयान से सहमत हैं और संविधान की रक्षा का केवल नाटक कर रहे हैं। मरांडी ने कहा कि इंडी गठबंधन तुष्टीकरण की

मंत्री द्वारा संविधान का अपमान



राजनीति में डूबा हुआ है और ऐसे बयान उसी राजनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जो तनाव हिंदु पर्व-त्योहारों में देखने को मिलते हैं, वे इसी तुष्टिकरण और संविधान विरोधियों को संरक्षण देने का नतीजा हैं।

भाजपा करेगी आंदोलन : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एलान किया कि पार्टी इस मुद्दे को लेकर पुरे प्रदेश में आंदोलन करेगी और जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि क्या झारखंड सरकार संविधान से चलेगी या शरीयत से। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि संविधान को जेब में रखकर चलना और शरीयत की बात करना उस लोकतंत्र का मजाक है, जिसे बाबा साहब ने रचा था।

बाबा साहब को अपमानित करने वाले कांग्रेसी आज बहा रहे घड़ियाली आसू : सीपी सिह

PHOTON NEWS RANCHI: सोमवार को भारतीय जनता पार्टी, महानगर की ओर से संविधान निमार्ता, समाज सुधारक और भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर उपस्थित रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा की बाबा साहब के विचार, उनके संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके अतलनीय योगदान को नमन करते हुए हम सभी उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। बाबा साहब का मानना था कि सभी मनुष्यों को जन्म से समान अधिकार मिलना चाहिए। जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं होना



अंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सीपी सिंह व अन्य 🌘 फोटोन न्यूज

चाहिए। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस आज उनका नाम ले रही, वह उनका अपमान करती रही और आज घड़ियाली आंसू बहा रही है। हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब ने कहा था,शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। उनका मानना था कि शिक्षा ही समाजिक परिवर्तन की कुंजी है। डॉक्टर अंबेडकर ने

व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अत्यंत महत्वपूर्ण माना। उन्होंने कहा, जीवन का उद्देश्य स्वतंत्रता है और इसके बिना कोई प्रगति नहीं

हो सकती। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रांची महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि बाबा साहब का मानना था कि धर्म को तर्क और मानवता के आधार पर स्वीकार किया जाना चाहिए, अंधविश्वास

रिम्स शासी निकाय की बैठक आज, टेंडर को लेकर

स्वास्थ्य मंत्री से शिकायत RANCHI : रिम्स में 15 अप्रैल यानी मंगलवार को प्रस्तावित शासी निकाय की बैठक से पहले शिकायत स्वास्थ्य मंत्री-सह-जीबी अध्यक्ष से की गई है। इसमें बताया गया है कि निदेशक द्वारा एजेंडा संख्या 30 में निविदा संख्या 2536 (दिनांक 12 जून 2024) से संबंधित बिंदुओं को शामिल किया गया है, जो इस समय जांच के दायरे में है। साथ ही शिकायत में लिखा गया है कि इस निविदा की जांच झारखंड मेडिकल कॉपोर्रेशन लिमिटेड द्वारा, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर की जा रही है और यह मामला झारखंड उच्च न्यायालय में भी विचाराधीन है। निदेशक द्वारा इस महत्वपूर्ण तथ्य को शासी निकाय के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों से छिपाया गया है। वहीं जीबी के एजेंडा में जांच की

जानकारी नहीं दी गई।



राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने बाबा साहब अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने राजभवन में डॉ. अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी बाबा साहब को नमन करते हुए उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के डोरंडा स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पूष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहेब का जीवन, संघर्ष और उनके विचार सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।

PHOTON NEWS RANCHI:

अंबेडकर जयती संविधान बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस ने बनाई मानव श्रृंखला, दिया एकजुटता का संदेश

कांग्रेस संविधान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार : के. राजू

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने डोरंडा में स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा से लेकर डॉ राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा तक एक भव्य मानव श्रृंखला का आयोजन किया। यह श्रृंखला स्वामी विवेकानंद चौक और स्वर्गीय देवेंद्र मांझी चौक से होते हुए गुजरी। इस दौरान कतारबद्ध कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को संविधान की प्रति सौंपते हुए संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने की, जबिक मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजु रहे। कार्यक्रम की शुरूआत

स्विवंधान के मुल उद्देश्य प्रदर्शित

इससे पहले राजेंद्र चौक पर संविधान की प्रति ग्रहण कर केशव महतो कमलेश ने इसे के राजू को सौंपा। राजू ने संविधान की प्रति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा के समक्ष रखते हुए कार्यकताओं को संविधान की रक्षा का संकल्प दिलाया। इस मौके पर एक झांकी भी निकाली गई, जिसमें संविधान के मूल उद्देश्यों को प्रदर्शित किया गया। सभा को अम्बा प्रसाद, डॉ. प्रदीप बलमुचू, सुरेश बैठा, ममता देवी और अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन महानगर अध्यक्ष कमार राजा और धन्यवाद ज्ञापन जिला ग्रामीण अध्यक्ष राकेश किरण महतो ने किया।

डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर

माल्यार्पण से हुई। इसके बाद सभी

ने स्वामी विवेकानंद और डॉ



मानव शृंखला में भाग लेते केशव महतो, के. राजू व अन्य कांग्रेस नेता

राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए के राजू ने कहा कि मानव श्रृंखला के माध्यम से हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार देश को यह संदेश दिया गया है कि है। भाजपा संविधान को हटाकर कांग्रेस संविधान की रक्षा के लिए मनुस्मृति लागू करना चाहती है।

जबिक कांग्रेस समता, समरसता

प्रदेश अध्यक्ष कमलेश ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान

के प्रावधानों पर हमला कर रही है, जबकि कांग्रेस बाबा

अभियान में जुटी है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप

यादव ने कहा कि अगर भाजपा सफल हुई तो देश मनुस्मृति

के युग में चला जाएगा। यह लड़ाई दो विचारधाराओं की है

एक जो समाज को जोड़ना चाहती है और दूसरी जो बांटना

चाहती है। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कांग्रेस

के मानव श्रृंखला कार्यक्रम ने संविधान को एक दूसरे के

साथ जोड़े रखने का संदेश दिया है। आज के दिन हाथ में

संविधान और मन में अधिकार पाने का संकल्प लिए आगे

बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि आज डॉ भीमराव अंबेडकर

को नमन करने वालों की भीड़ लगी है। कल तक अपने

संगठन कार्यालय में तिरंगा झंडा फहराने से परहेज करने

वाले भी आज जय भीम का नारा लगा रहे है।

साहब के विचारों पर चलकर संविधान को बचाने के

बेड़ो पंचायत सचिवालय में मनाई गई डॉ. भीमराव अबेडकर की जयती

सोमवार को बेड़ो पंचायत सचिवालय में सोमवार को भारतीय संविधान निमार्ता, दलितों के मसीहा और महान समाज सुधारक बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर बेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पंचायत भवन परिसर में एक बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पंचायत मुखिया सुशांति भगत द्वारा बाबा साहब के चित्र के पास अगरबत्ती जलाकर प्रार्थना से हुई। इसके पश्चात पंचायत सचिव अमित केरकेट्टा, समाजसेवी सुशील भगत, वार्ड सदस्य मंगल उरांव, प्रज्ञा केंद्र संचालक शाहिद अंसारी समेत उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबा साहब की स्मृति में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मौके पर मुखिया



सुशांति भगत ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के शोषित और वंचित वर्ग के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने हमें जो अधिकार दिए हैं, उन्हें समझना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उनकी सोच और विचारधारा आज भी समाज में समानता और भाईचारे की सबसे मजबूत कड़ी है। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी बाबा साहब के संघर्षमय जीवन, उनके विचारों और संविधान निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

फूलो-झानो चौक की पथलगड़ी हटाने से आक्रोश



JAMSHEDPUR : पलाशबानी गांव के सिरीघुट चौक पर स्थापित फलो-झानो चौक की पथलगड़ी को बीती रात असामाजिक तत्वों ने हटा दिया। इससे स्थानीय निवासियों में आक्रोश है। स्थानीय निवासी सनीता दुडू ने बताया कि यह घटना न केवल शर्मनाक है, बल्कि संताल समाज की संस्कृति, इतिहास और एकता पर गहरा आघात है। इससे पहले भी जन 2024 में कछ असामाजिक लोगों ने इस पवित्र चौक पर अंकित फुलो-झानो के नाम को मिटाने की कोशिश की थी। तब गांव वालों ने एकजुट होकर पथलगड़ी को पुनः स्थापित किया। यह पथलगड़ी महज पत्थर का टुकड़ा नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के गौरव और स्वाभिमान

विजया गार्डेन में मनाया गया उत्कल दिवस



JAMSHEDPUR: बारीडीह स्थित विजया गार्डेन में रविवार को धूमधाम से उत्कल दिवस मनाया गया। क्लब हाउस में हुए कार्यक्रम में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहु भी उपस्थित थीं। इस मौके पर वंदे उत्कल जननी... गीत के साथ संबलपुरी नृत्य भी किया गया। समारोह का संचालन स्वाति पटनायक ने किया, जबकि आयोजन को सफल बनाने में साधना महंती, एकता मिश्र, प्रियंका प्रियदर्शनी सहित अन्य ओड़ियाभाषी महिलाएं सक्रिय रहीं।

हरिणधुकड़ी गांव में बनेगी जलमीनार



GHATSILA: हरिणधुकड़ी गांव में मुखिया निधि से 2 हजार लीटर क्षमता वाली जलमीनार बनेगी। इसका शिलान्यास सोमवार को मुखिया आरसुमनी टुडू व उपमुखिया सुजन कुमार मान्ना ने किया। इस मौके पर वार्ड सदस्य काजल मान्ना, प्रशांत महतो, मिहिर मान्ना, ललित मन्ना, धनंजय मदीना आदि भी उपस्थित थे।

दस नंबर बस्ती में जुस्को ने शुरू की पेयजल आपूर्ति



JAMSHEDPUR : टाटा स्टील युआईएसएल (पूर्व नाम जुस्को) ने सोमवार से सीतारामडेरा क्षेत्र की 10 नंबर बस्ती में जलापूर्ति शुरू कर दी। सुखिया रोड, सिंधु रोड और पद्मा रोड में पाइपलाइन बिछा दी गई है, जिससे पूरी बस्ती के करीब 1000 घरों को पेयजल की सुविधा मिलेगी। वैसे कनेक्शन के लिए अब भी आवेदन मांगे जा रहे हैं।

आशियाना आदित्या में बनी समानांतर समिति



JAMSHEDPUR : आदित्यपर औद्योगिक क्षेत्र स्थित आशियाना आदित्या रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कमार नागेलिया व सचिव आलोक चौधरी ने आरोप लगाया है कि रविवार को सोसाइटी परिसर में अवैध एवं अनैतिक ढंग से मीटिंग बुला कर समानांतर अंतरिम समिति के गठन का प्रयास किया गया है।

युवाओं के लिए 21 दिवसीय नाट्य कार्यशाला शुरू



JAMSHEDPUR : झारखंड सरकार के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकृद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय निशुल्क नाट्य कार्यशाला सोमवार से शुरू हुई। एन रोड, बिष्टुपुर स्थित सेंट मेरीज चर्च के पास जीआरडी सिद्ध बिल्डिंग में हो रही कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल पदाधिकारी अविनेश त्रिपाठी, शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी शिवलाल सागर , मोहम्मद शमीम, गौतम गोप आदि उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने वक्तव्यों में कला, संस्कृति और नाट्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे रंगमंच न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, विचार जागरण और सामृहिक चेतना का सशक्त माध्यम भी है। जिला खेल पदाधिकारी अविनेश त्रिपाठी ने कहा कि झारखंड की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध है और नाटक इसके संवाहक हैं। इस प्रकार की कार्यशालाएं युवाओं को उस विरासत से जोड़ती हैं जो आज के डिजिटल युग में और भी आवश्यक हो गई हैं।

परशुराम जयंती की पूर्व संध्या पर निकलेगी शोभायात्रा

JAMSHEDPUR: परशुराम जयंती की पूर्व संध्या पर मानगो स्थित बड़ा हनुमान मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकलेगी। इस आशय का निर्णय सोमवार को कैरेज कॉलोनी में हुई ब्राह्मण युवा शक्ति संघ की बैठक में लिया गया। संघ के संस्थापक सदस्य पं. सुनील शर्मा ने बताया कि ब्राह्मण युवा शक्ति संघ 2016 से शोभायात्रा निकाल रहा है। शोभायात्रा का समापन साकची के शीतला माता मंदिर में होगा, जहां भगवान परशुराम की 21 फीट ऊंची प्रतिमा की पूजा-अर्चना की जाएगी। अप्पू तिवारी ने कहा कि इसके लिए बहुत जल्द संयोजक मंडली बनाई जाएगी। बैठक में महेंद्र पांडेय, कमलेश दुबे, कैलाश शर्मा, अशोक शाश्वत, नितिन झा, अशोक उपाध्याय, निर्मल दीक्षित, संतोष जोशी, चंदन उपाध्याय, पवन उपाध्याय, ललन झा, अरुण शुक्ला आदि भी मौजुद थे।

बागबेड़ा में हाई वोल्टेज तार गिरने से मची अफरा-तफरी, लाखों का नुकसान

बिजली विभाग के कर्मचारियों को बनाया बंधक, काफी देर तक होता रहा हंगामा

बागबेड़ा थाना क्षेत्र स्थित हरहरगुटू नया बस्ती में सोमवार को देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब 11,000 वोल्ट का हाई वोल्टेज तार अचानक टटकर बस्ती के घरों पर गिर पड़ा। यह हादसा रात लगभग 12 बजे हुआ, जब अधिकांश लोग सो चुके थे या सोने की तैयारी कर रहे थे। जैसे ही तार गिरा, कई घरों में बिजली के जुड़े उपकरण एक के बाद एक पटाखों की तरह फटने लगे और पुरा इलाका अंधेरे में डूब गया। बताया जा रहा है कि यह हाई वोल्टेज तार पंचायत समिति की सदस्य प्रभा हांसदा के घर पर गिरा, जिससे सटे कई और घर भी इसकी चपेट में आ गए। घरों में विस्फोट जैसे हालात हो गए और लोग जान बचाकर घरों से बाहर भागे। हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों का



घटना के बाद जुटे लोग

कहना है कि इससे पहले भी इसी तरह की घटना हो चुकी है, तब बिजली विभाग को तार का रूट बदलने की मांग की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस बीच प्रभा हांसदा ने तुरंत बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा को जानकारी दी। उन्होंने

किया। अभियंता ने बिजली मिस्त्री को भेजने का आश्वासन दिया, लेकिन काफी देर तक कोई नहीं पहुंचा। इस पर फिर कार्यपालक अभियंता से संपर्क साधा गया। इसके बाद बिजली मिस्त्री मौके पर पहुंचे। घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों को

हटाने और नुकसान की भरपाई की मांग करने लगे। बस्ती में घंटों हंगामे की स्थिति बनी रही। समिति के सदस्य कष्ण चंद्र पात्रो और अन्य भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने की कोशिश की। स्थानीय लोग अब रूट में बदलाव, तार की ऊंचाई बढ़ाने और भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। इलाके के लोगों का कहना है कि यह बड़ा हादसा था। हाईटेंशन तार गिरने से लोगों की जान भी जा सकती थी। यह तार घरों के ऊपर से गया था। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग से कहा गया है कि तार को दसरी तरफ से ले जाया जाए। मगर, बिजली विभाग के लोग सनवाई नहीं कर रहे हैं। उग्र लोगों का कहना है कि इस बार वह यह हाईटेंशन तार अपने घरों के ऊपर से

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि रविवार शाम को जगन्नाथपुर थाना अंतर्गृत मासाबिल्ला गांव निवासी मागेया चातमबा अपने संसुराल कुमारडुंगी के कुसमिता गांव से अपने घर जगन्नाथपुर आ रहा था। रास्ते में कुमारडुंगी के बीचाबुरू के पास विपरीत दिशा से आँ रही एक बाइक सवार ने घक्का मार दिया। इससे मागेया चातमबा बाइक समेत गिर पड़ा। गंभीर रूप से जख्मी हो मागेया को कुमारडुंगी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर

टाटा स्टील ने बहादुर अग्निशामकों को दी



JAMSHEDPUR : टाटा स्टील ने सोमवार को राष्ट्रीय अग्नि सेवा दिवस मनाया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर अपने कर्तव्य का निर्वाह करने के दौरान प्राणों की आहित देने वाले बहादर अग्निशामकों को श्रद्धांजलि अर्पित की । टाटा स्टील १४ से 20 अप्रैल तक सभी इकाइयों में राष्ट्रीय अग्नि सेवा सप्ताह भी मनाएगी। इस दौरान कर्मचारियों, वेंडर पार्टनर्स, ठेकेदारों, स्कूली छात्रों एवं समुदाय के बीच अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आज के उद्घाटन समारोह में चाणक्य चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट, कॉरपोरेट सर्विसेज, टाटा स्टील मुख्य अतिथि के रूप में फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज, जमशेदपुर में उपस्थित रहे। डॉ. विनिता सिंह, जनरल मैनेजर, मेडिकल सर्विसेज, टाटा स्टील, अरविंद कुमार सिन्हा, चीफ सिक्योरिटी एंड ब्रांड प्रोटेक्शन तथा शहनवाज खान, यूनियन कमेटी के सदस्य (फायर ब्रिगेड) ने जांबाज अग्निशामकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि, 14 अप्रैल 1944 को मंबई पोर्ट के डॉक पर एसएस फोर्ट स्टिकिन नामक जहाज में विस्फोट के बाद भयंकर आग लग गई थी। उस दौरान, अग्निशमन कर्मियों ने आग से जूझते हुए कई लोगों की रक्षा की थी।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने नक्सल विरोधी अभियान में दिए निर्देश ने बुलडोजर लगा कर कराया मुक्त



समीक्षा बैठक करते डीजीपी अनुराग गुप्ता

• फोटोन न्यूज

CHAIBASA: झारखंड के महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता सोमवार को चाईबासा पहुंचे। यहां उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान की समीक्षा की। डीजीपी ने वर्तमान में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान की जमीनी हकीकत और क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। डीजीपी ने कोबरा, सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर और चाईबासा पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान में शामिल सभी सुरक्षाबलों और जवानों से बातचीत की और उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने अभियान को अधिक प्रभावी ढंग से चलाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस उच्चस्तरीय बैठक में सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर के पुलिस महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह, दक्षिणी छोटानागपुर प्रक्षेत्र रांची के पुलिस महानिरीक्षक अखिलेश झा, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) अमोल वेणुकांत होमकर, झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के पलिस महानिरीक्षक अनप बिरथरे, सीआरपीएफ चाईबासा के पलिस उप-महानिरीक्षक (परिचालन) पूरन सिंह, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल थे।

बिरसानगर के जोन-2बी में सोमवार को बिरसा सेना ने खुद कार्रवाई करते हुए कथित तौर पर भू माफिया के बनाए गए ढांचे पर बुलडोजर चला दिया। पूरा ढांचा ध्वस्त कर दिया। इस दौरान बिरसा सेना के कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे। बताते हैं कि इस बीच पुलिस भी वहां पहुंची, लेकिन वापस चली गई। बिरसा सेना ने अंचल अधिकारी को भी चेतावनी दी है कि अगर उनके इलाके में भू-माफिया को सरकारी जमीन पर कब्जा करने में सहयोग किया गया तो बिरसा सेना आंदोलन करेगी। अब बिरसानगर में भू-माफिया को जमीन कब्जा करने नहीं दिया जाएगा। जब बलडोजर से अतिक्रमण हटाया जा रहा था, तो वहां बिरसा सेना के लोग तीर-



बिरसानगर में सरकारी भूमि को लोगों

सरकारी भूमि पर बने ढांचे को तोड़ता बुलडोजर

उलीडीह में भी हटाया गया अतिक्रमण

आदिवासी समाज के लोगों ने उलीडीह के शंकोसाई में भी सोमवार को अतिक्रमण हटाया। बिरसा सेना की मौजूदगी में यहां भी अतिक्रमण हटाया गया है। यहां पुराने सीओ कार्यालय के पास यह भूमि है। हो समाज की इस श्मशान भूमि पर भी भू माफिया कब्जा कर रहे थे। टिंन की चादरों के सहारे जमीन की घेँराबंदी की जा रही थी। इस घेराबंदी को तोड़ कर हटा दिया गया है।

धनुष लेकर मौजूद थे। ये लोग नारेबाजी कर रहे थे। इनका आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के चलते ही सरकारी जमीनों पर भू-माफिया का अवैध

कब्जा हो रहा है। बिरसा सेना का दावा है कि यह जमीन बिरसानगर ग्राम सभा की है। इसलिए, बिना ग्राम सभा की अनमति के यहां

होने का दावा

बिरसा सेना के केंद्रीय अध्यक्ष दिनकर कच्छप ने बताया कि यह जमीन ग्राम सभा की वैध संपत्ति है. जिस पर भूमि माफियाओं ने अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि इस जमीन पर भूमाफिया ने अवैध निर्माण कर लिया था। उन्होंने कहा कि आज का संघर्ष यह साबित करता है कि जब जनता एकजुट होती है, तो किसी भी अतिक्रमण को रोका जा सकता है।

प्रशासन को चेतावनी आंदोलन की तैयारी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन और अंचल अधिकारी (सीओ) ने ग्राम सभा भूमि पर दोबारा अतिक्रमण की अनदेखी की, तो कोल्हान में व्यापक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने CNT एक्ट, SPT एक्ट और विल्किंसन नियम जैसे ऐतिहासिक

कोल्हान में जगह-जगह याद किए गए बाबा साहब

कहीं निकली बाइक रैली तो कहीं हुई संविधान पर चर्चा, आदर्शों को पूरा करने का लिया संकल्प



चूना शाह बाबा का

56वां उर्स शरीफ 17 से

हजरत बादशाह अब्दुर्रहीम उर्फे चूना शाह बाबा का ५६वां सालाना उर्स शरीफ १७ अप्रैल से शुरू हो रहा है। गद्दी नशीन ताज अहमद साहब और सरपरस्त नाह खान की देखरेख में इस उर्स में क़ुरआन ख्वानी, तकरीर, चादरपोशी, कव्वाली और लंगर जैसे धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। दरगाह कमेटी के जनरल सेक्रेटरी हाजी एसएम कुतुबुद्दीन ने बताया कि 17 अप्रैल को सुबह 8 बजे कुरान ख्वानी होगी। 18 अप्रैल को नमाज ए ईशा बाद उलमा ए कराम सोहरा ए कराम नातख्वानी और तकरीर पेश करेंगे, जिसमें मख्य वक्ता कोलकाता के मौलाना जहीर वॉरसी मिस्बाही साहब होंगे। 19 अप्रैल को 10 बजे सुबह से चादर व संदल गस्त. 1:20 में चादरपोशी. 2 बजे दिन से लंगर वितरण और रात 9 बजे महफिले शमा (कव्वाली) का आयोजन होगा। २० अप्रैल को लंगर और कव्वाली की महफिल सजाई जाएगी।



मऊमंडार चौक पर डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते लोग

• फोटोन न्यूज GHATSILA: बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार को विभिन्न संगठनों के साथ आईसीसी कंपनी के प्रशासनिक पदाधिकारियों ने मऊभंडार स्थित अंबेडकर चौक पर लगी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर अनुमंडल के प्रशासनिक पदाधिकारी, अंबेडकरवादी अनुसूचित जाति कल्याण समिति, पंचायत प्रतिनिधि, पूर्व सैनिक, झामुमो, भाजपा, कांग्रेस एवं अन्य लोगों ने मूर्ति



निकली बाइक रैली JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व

रेलवे, टाटानगर अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति संगठन द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर बाइक रैली निकाली गई। रैली ट्रैफिक कॉलोनी से आरंभ होकर बागबेड़ा लाल बिल्डिंग चौक, डीबी रोड, हरहरगुटू होते हए सेंटल जेल घाघीडीह मैदान करनडीह होते हुए लोको कॉलोनी पहुंची, जहां बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। रैली न्यू इलेक्ट्रिक लोको शेड परिसर में आकर

बाबा साहब के आदशों को आत्मसात करें : डीसी



बाबा साहब को नमन करते उपायुक्त रविशंकर शुक्ला

SERAIKELA: उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने सोमवार को भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती पर डॉ. अंबेडकर के तैलचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने समस्त जिलेवासियों को अंबेडकर जयंती की शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के बताए हुए मार्ग तथा देशहित में किए गए कार्यों का अनुसरण करते हुए समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में अहम भूमिका निभानी चाहिए। बाबा साहब का पूरा जीवन ही प्रेरणास्रोत है। उनके विचारों-आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा सह नजारात उप समाहर्ता अनिल टूहू, सोशल मीडिया प्रसार पदाधिकारी नंदन उपाध्याय समेत विभिन्न विभागों के सहायक व कर्मी उपस्थित थे।

पीट में कील घोंपकर भक्तों ने दिखाई हट-भक्ति

GHATSILA : प्रखंड के कालचित्ती पंचायत अंतर्गत बांधडीह गांव में सोमवार

को शिव शक्ति युवा संघ की ओर से रजनी फुड़ान एवं भोक्ता उड़ान का आयोजन

श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, मां केरा व मां पाउड़ी चैती मेला का हुआ समापन

अंगारों पर चल और कांटों पर लोटते हुए भक्तों ने माता से मांगी मन्नत

जलते अंगारों पर नंगे पांव चल व कांटों पर लोटते भक्तों ने अपनी भक्ति प्रस्तुत किया। मौका था, सोमवार को कोल्हान के प्रसिद्ध मां केरा व मां पाउड़ी चैती मेला के अंतिम दिन का। प्रसिद्ध केरा व पाउड़ी मंदिर में सोमवार को परंपरा के तहत व्रतधारी श्रद्धालुओं ने कालिका घट निकाला?। बता दें कि मां पाउड़ी व केरा माता की पूजा अर्चना 10 अप्रैल से हो रही है। अंतिम दिन केरा मंदिर परिसर और चक्रधरपुर के संजय नदी तट पर स्थित पाउड़ी स्थान में मां के दर्शन को श्रद्धालुओं व दर्शकों की भारी भीड़ जुटी। मां केरा व मां पाउड़ी मेला का मुख्य आकर्षण कालिका घट दर्शन होने के कारण दर्शकों का सैलाब भक्तों के

अभृतपूर्व भक्ति प्रदर्शन देखने



अंगारों पर चलतीं महिलाएं व कांटों पर लोटते मक्त

उमड़ा। दोनों स्थान में विधि विधान के मुताबिक पूजा-अर्चना, बलि पूजा आदि के उपरांत मां केरा व पाउड़ी मंदिर के समीप दोपहर में कालिका घट दर्शन का आयोजन हुआ। इसके बाद दोनों जगह एक-के बाद महिला, पुरुष, बच्चे कांटों की सेज पर लोटते गए और लोग

अचंभित होकर देखते रहे। इसके बाद आधा घंटे तक कांटे पर लोटने के बाद भक्तों ने माता का जयकारा लगाते नंगे पांव अंगारों पर चलने लगे। भक्तों ने परंपरा के तहत अपने नन्हें बच्चों को भी अंगारों पर चलवाया और कांटों पर लिटाकर मंगल कामना की।

किया गया। इस मौके भोक्ताओं ने पीठ में कील घोंपकर हठभक्ति दिखाई। भोक्ता आस्था जताई। इस मौके पर

विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत व जिला परिषद की सदस्य देवयानी मुर्मू भी उपस्थित थीं। जिला परिषद सदस्य ने कहा कि बांधडीह में सैकड़ों वर्षों से भोक्ता पर्व का आयोजन किया जा रहा है। यह आस्था और



सहनशीलता का जीवंत उदाहरण है। मुर्मू ने कहा कि इस एतिहासिक धार्मिक स्थल को विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर छऊ नृत्य का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर मुखिया बैद्यनाथ मुर्मू, दुर्लभ मन्ना, शत्रुघ्न सिंह, मंगल गोराई, जयदेव सिंह, शैलेन मन्ना, रतन मन्ना, राधनाथ मन्ना, गौर सिंह, भोलेनाथ गोराई, शम्भू गोराई, अभी कैबर्त, रसोमय कैबर्त, विकास मजूमदार, सागर पाणि समेत अर्नेक लोग उपस्थित थे।

मेला में खाने-पीने, पकवान, पूजा सामग्री आदि के दुकान व स्टाल लगे। मेले में विभिन्न स्वयंसेवी

संगठनों द्वारा जलसेवा, स्वास्थ्य सेवा आदि की व्यवस्था किया



मान्यता है कि ऐसा करने से भक्तों पर माता की कृपा हमेशा बनी रहती है। इस दौरान भूखे-प्यासे होने और तेज धूप के कारण कई व्रतधारी महिला, पुरुष व बच्चे मूर्छित हो गए। चार दिन तक होने वाली पूजा-अर्चना के कार्यक्रम के साथ मेला का आयोजन भी हुआ।

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बे्कार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें ।भटकें नहीं ।जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें । काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं-शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव । शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत

आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

सकती हैं । लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है । सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती । इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं।यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है । संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं।हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढंकर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय–समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं । इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं।यदि आपको कोई बेहतरीन आइंडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागु करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिएँ।



इन मेकअप प्रोडक्ट्स

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा । भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इफेक्शन या फिर कैसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच ऋीम

अधिकांश ब्लीच ऋीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंटों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों

हेयर कलर

को ब्लॉक कर सकते हैं।

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

THE PHOTON NEWS



अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पित और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता।ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि , 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारों, । ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत । इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है । इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कछ पैसे बचा लेते हैं. लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है ? जी नहीं बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है ? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है।भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए।कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे।अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग–अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

www.thephotonnews.com Tuesday, 15 April 2025

पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता।कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद की फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते । ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा

सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते । इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है ।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है।ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके । इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।



क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जीस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जीस खरीदने में आसानी होगी

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है।शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो । एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़िकयों की पहली पसंद बनी हुई है । इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं।रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लुज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती हैं। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था।एक बार फिर से इसका टैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। टैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं।ये जींस अलग–अलग रंग के जींस के चौकोर टुकडों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी यूनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो–हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं।यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जीस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा।ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लडिकयां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।



कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेंक अप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मुगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें।नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें।इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें।ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें अगर आप पहली बार

आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें।असल में, इससे ऑपका लुक एकदम बदल जाएगा।ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफूल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।



बेहाल वृद्धों के लिये आयोग बनना एक सराहनीय कदम



देश में बुजुर्गों की हालत दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताङ्ना में भी सबसे आगे है। लगभग ९४ फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब २१ लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके

भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन का संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दर्व्यवहार का सामना करना पड रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबिक राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था। केरल के योजना बोर्ड के अनुसार, 2015 में यह बढ़कर 13.1 प्रतिशत हो गया, जबिक राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत था। अब, दक्षिणी राज्य में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 4.8 मिलियन लोग हैं। इसके अलावा, बुजुर्ग समूह का 15 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक आयु का है, जो इसे बुजुर्ग लोगों के बीच सबसे तेजी से बढ़ने वाला आयु समूह बनाता है। 60 से अधिक आयु वर्ग में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है और उनमें से अधिकांश विधवाएं हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को पारित इस कानून की सराहना करते हुए कहा कि यह नया आयोग बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याण और पुनर्वास पर

देश में बुजुर्गों की हालत दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताड़ना में भी सबसे आगे है। लगभग 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल



रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ में इसी प्रांत के सर्वाधिक युवा है। भले ही इस प्रांत ने सर्वाधिक शिक्षा से प्रगतिशील सोच दी है, लेकिन अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है, जिससे ही बुजुर्गों की उपेक्षा या उनको उनके हाल पर छोड़ देने की विकृत मानसिकता एवं त्रासदी उभरी है। वृद्धीं की उपेक्षा देशभर में देखने को मिल रही है, हाल के वर्षों में केरल के बाद पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा? एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। कुछ वृद्धों के पास तो धन का अभाव भी इस समस्या को विकराल रूप दे रहा है। राज्य में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं उदासीनता एक बढ़ती चिंता का विषय है, उनका एकाकीपन एवं अकेलापन उससे बड़ी समस्या है। केरल के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। लेकिन यह वक्त बताएगा कि भ्रष्ट अफसरशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कितना कारगर होगा? लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो समस्या के समाधान की दिशा में रोशनी बनेगा। जरूरत है सरकारी अधिकारी संवेदनशीलता एवं इंसानियत से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करने के लिये आगे आये। केरल की सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु के अनुसार आयोग समृद्ध और निम्न आय वाले दोनों ही परिवारों के वृद्ध व्यक्तियों के शोषण की समस्या का महत्वपूर्ण समाधान करेगा। जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, उनकी गरिमा, कल्याण और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोगों को अक्सर स्वास्थ्य में गिरावट, अकेलेपन और वित्तीय असुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आवश्यक सहायता प्रदान करने से अधिक समावेशी और दयालु समाज बनाने में मदद मिलती है। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। वैसे अकेले रह रहे

बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक

सक्रियता एवं मनोबल इसमें सहायक बनेगा। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में देश युवा भारत से बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? क्या केरल की तरह अन्य राज्यों की सरकारें एवं केन्द्र सरकार लगातार बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के लिये ठोस कदम उठायेगी? वसुधैव कुटुम्बकम की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी गतदिनों हाईकोर्ट के अनेक फैसलों को पलटते हुए सराहनीय पहल की है। जिनमें अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच पर विराम लगेगा, क्योंकि यह आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है।

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला में कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। विकिंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि इस तरह परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। ऐसे शर्म को धोने के लिये ही केरल सरकार का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग बनाना एवं सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील होना एक उजाला बना है, जिससे जीवन की संध्या को कष्टपूर्ण होने से निजात मिलने की उम्मीदें

संपादकीय

जिम्मेदारी से नहीं बच सकते

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोधप्रदर्शन हिंसक हो जाने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हिंसक झड़प़ों के बाद छापेमारी में 150 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। मालदा, दक्षिण 24 परगना और हुगली जिलों में पुलिस वैन समेत कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके गए। सड़क जाम कर दी गई और रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। कई जगहों पर ट्रेन सेवाएं घंटों बाधित रहीं। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि कलकत्ता हाईकोर्ट को सीआरपीएफ की तैनाती के आदेश देने पड़े.। अदालत ने कहा कि वह इस तरह की स्थिति से आंखें नहीं मुंद सकती। राज्य सरकार और केंद्र, दोनों को स्थित की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि ममता शासन शमशेरगंज, सुती और जंगीपुर में 'हिन्दुओं पर हमले' के बावजूद आंखें मृंदे बैठा है। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम राज्य में लाग नहीं किया जाएगा। बेशक, ममता बनर्जी ने हिंसा को किसी सुरत बर्दाश्त नहीं करने की बात कही है, लेकिन उनका यह कहना गैर-जिम्मेदाराना है कि नया कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री इस तथ्य से वाकिफ हैं कि संसद द्वारा बनाया गया कानून हर राज्य में लागू होता है। ममता भ्रम फैलाने का काम कर रही हैं। वे यह कह कर पल्ला नहीं झाड़. सकतीं कि हमने यह कानून नहीं बनाया है जिस पर लोग भड़के हुए हैं। यह कानून केंद्र ने बनाया है, इसलिए जो भी जवाब चाहिए केंद्र से मांगे जाने चाहिए। लेकिन केंद्र के पाले में गेंद ड़ाल कर बचा नहीं जा सकता। राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना ममता सरकार की जिम्मेदारी है। और हिंसक प्रर्शनकारियों से इस अंदाज में बात नहीं की जानी चाहिए कि वे राज्य सरकार से क्यों नाराज हैं। उनकी नाराजगी तो केंद्र सरकार से होनी चाहिए जिसने यह कानून बनाया है। मुख्यमंत्री का जो रोख है कि उससे लगता है कि कानून-व्यवस्था दुरोस्त रखने से ज्यादा उनकी रुचि राजनीति करने में है। मामला अदालत के समक्ष है, तो उसका फैसला आने तक विरोध प्रदर्शन अनुचित है। पश्चिम बंगाल सीमांत राज्य है, जिसकी सीमा उथल-पुथल के शिकार पड़ोसी बांग्लादेश से लगती है। सुरक्षा व्यवस्था में शिथिलता भारी पड़.सकती है।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्वित के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकृल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धित का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।



र्तमान समय में देश का आम नागरिक, विशेषकर निम्न और मध्यम वर्ग, महंगाई और कर्ज के दोहरे संकट से जूझ रहा है। आज जब एक तोला सोना 90,000 रुपए के पार पहुंच गया है। वहीं आम आदमी की आय और वेतन में उतनी वृद्धि नहीं हुई है। यह आर्थिक असमानता न केवल आम जीवन को कठिन बना रही है। बल्कि सामाजिक और मानसिक तनाव को भी बढा रही है। वर्तमान में मनो रोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। बड़ी संख्या में लोग आत्महत हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है।

जब-जब महंगाई बढ़ी है, उसके साथ लोगों की आय भी बढ़ती है। पिछले 75 वर्षों कि इतिहास में महंगाई और कमाई के बीच इतना बड़ा अंतर कभी देखने को नहीं मिला। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें पेट्रोल और डीजल में 35 से 40 रुपये प्रति लीटर टेक्स आम जनता से वसूल कर रही है। जिसके कारण खाने-पीने से लेकर हर चीज की कीमतें कई गुना बढ़ गई है। पिछले 10 वर्षों में जीएसटी एवं अन्य टेक्स बढाकर

महंगाई और कर्ज से त्रस्त निम्न एवं मध्यम वर्ग



जनता से वसूल किये जा रहे हैं। जिसके कारण आम आदमी महंगाईं की मार से कराह रहा है। आर्थिक मंछी ने बेरोजगारी बढ़ा दी है। करोड़ों पढ़े-लिखे स्नातक परस्नातक युवाओं को पिछले 10 वर्ष से नौकरी नहीं मिल रही है। मनरेगा में भी बजट घटा दिया गया है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार मचा हुआ है। 78 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार देखने को मिल रहा है। 1947 में सोने की कीमत मात्र 88.62 रुपए प्रति तोला थी, तब आम आदिमयों का वेतन 15 से 30 रुपए महीना होता था। प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसदों, विधायकों का वेतन डेढ़ सौ से ढाई सौ रुपया प्रतिमाह होता था। तलनात्मक रूप से वेतन से प्रधानमंत्री 300 ग्राम तक सोना खरीद सकते थे। आज प्रधानमंत्री का वेतन लगभग दो लाख रुपए प्रतिमाह है। इस वेतन से

वे मात्र 20 ग्राम सोना ही खरीद सकते हैं। बीते सात दशकों में सोने की कीमतों में 1000 गना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। जबकि आय में महज 50 से 60 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस विसंगति का सीधा प्रभाव आम लोंगों पर पडा है। बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की बचत खत्म हो चुकी है। जरूरतें पूरी करने के लिए बैंक और साहुकारों से कर्ज लेना उनकी मजबूरी बन गई है। कई परिवार सोना गिरवी रखकर कर्ज ले रहे हैं, किस्तें चुका पाने में असमर्थ हैं। ऐसी स्थिति में गिरवी रखा हुआ सोना बैंक और वित्तीय संस्थान नीलाम कर रहे हैं। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया होने के कारण, मध्य एवं निम्न वर्ग के परिवार अपने बच्चों की शिक्षा और पोषण जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहे हैं। आर्थिक

असंतुलन की यह स्थिति न केवल सामाजिक असुरक्षा और मानसिक तनाव को जन्म दे रही है। देश की उत्पादकता ,विकाश और प्रगति को भी बाधित कर रही है। सरकार को चाहिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए। निम्न व मध्यम वर्ग के लिए वेतन,रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं को मजबूत करे। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के जो अवसर उपलब्ध थे। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सरकार ने जो कानून बनाए हैं। जिनके कारण स्थानीय रोजगार खत्म होते चले जा रहे हैं। स्थानीय नौकरी खत्म होती जा रही है। वह पुन स्थापित करने की दिशा में सरकार कार्य करे। स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा कर लोगों की आय और बेरोजगारी की समस्या से निजात पाया जा सकता है। महंगाई और आय के बीच की यह खाई इसी तरह बढ़ती रही, तो आने वाले समय में सामाजिक असंतोष और आर्थिक अस्थिरता एक बड़ी चुनौती बनेगी। समय की मांग है, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, सभी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन इस दिशा में सामृहिक प्रयास करें। आर्थिक मंदी के इस दौर में जब वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाएं अपनी भूमिका सही तरीके से नहीं निभा पा रही हैं। ऐसी स्थित में हमें अपने रिटेल सेक्टर, आयात और निर्यात व्यापार के लिए अलग से नीतिगत निर्णय लेना होगा। महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या से निपटना होगा। भारत की आबादी चीन के बराबर है। दुनिया की सबसे बडी युवा आबादी भारत में है। यही अवसर भारत की सबसे बड़ी दौलत है। जरूर सही तरीके से इसके इस्तेमाल करने की है।

उपलब्धि : राफेल विमान से बढ़ेगी नौसेना की ताकत



धानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने सरकार से सरकार के बीच सौदे के तहत 64 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम (मैरी टाइम) विमानों की खरीद को अंतिम रूप दे दिया है। इन्हें विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। भारत 22 एक सीट वाले और 4 दो सीट वाले लड़ाकू विमान खरीदेगा। हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते हस्तक्षेप के बीच इन विमानों को खास तौर पर भारतीय नौसेना के लिए डिजाइन किया गया है। राफेल विमानों की इस खरीद में खंस सरकार की ओर से नौसेना के लिए हथियार, सिम्युलेटर, कलपुर्जे,

सहायक उपकरण, स्पेयर पार्टस और पायलटों को प्रशिक्षण दिया जाना भी शामिल है। खंसीसी एयर स्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित राफेल-एम विमानों की आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद 37 से 65 महीनों के भीतर की जाएगी यानी आपूर्ति 2030-31 तक हो जाएगी। खंस से भारत ने पूर्व में ३६ पूर्व राफेल विमान खरीदे हैं। यह समुद्री लड़ाकू विमान नौसेना की जरूरतों के हिसाब से विकसित किया गया है। यह विमान पुराने विमान मिग-29 का



ठोस विकल्प साबित होगा। ऐसे विमानों की तलाश में भारत लंबे समय से था क्योंकि हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। हिन्द महासागर में अंतरराष्ट्रीय नियमों का लगातार उल्लंघन करता रहा है जबिक खंस की मंशा इस सागर को खुले और समावेशी क्षेत्र के रूप में सुरक्षित बनाए रखना है। एक तरह से इन विमानों के सौदे को चीन की मनमानी के विरुद्ध भारत और खंस की साझा रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि राफेल की खरीद इसलिए उचित है कि भारतीय वायुसेना राफेल के रख-रखाव से संबंधित अधोसंरचना तैयार कर चुकी है। यहीं नौसेना के काम आ जाएगी। इससे धन की बचत भी होगी।

ये विमान उसी डॉसल्ट कंपनी से खरीदे जा रहे हैं, जिससे 2016 में 36 राफेल विमान खरीदे गए थे। यह खरीद विवादित रहते हुए लोक सभा में चर्चित रही थी

जबिक इनकी आपूर्ति के बाद भारत की रक्षा शक्ति बढी है। भारत और खंस के बीच रक्षा क्षेत्र में बढते सहयोग के दौरान यह अहम उपलब्धि है। भारत सरकार पिछले पांच साल से आईएनएस विक्रांत के लिए नये लड़ाकू विमान खरीदने की योजना पर विचार कर रही थी। तीन साल पहले अमेरिकी बोइंग एफ-ए-18 सुपर हार्नेट और खंसीसी राफेल-एम में से किसी एक को चुनने का काम शुरू हो गया था। भारतीय नौसेना ने 2022 में गोवा में दोनों विमानों के परीक्षण किए। इनकी खुबियों और खामियों को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट के बाद भारतीय रक्षा विशेषज्ञों ने राफेल-एम को आईएनएस विक्रांत की जरूरतों के अनुकूल पाया। यह विमान 15.27 मीटर लंबा और 10.80 मीटर चौड़ा है। इसकी ऊंचाई 5.34 मीटर है। इसका कुल वजन 10,600 किग्रा. है। यह 1912 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरेगा। ३७००

किमी. के व्यास में यह 50,000 फीट ऊंचाई तक उड सकता है। चूंकि ये विमान पोत से उड़ान भरते हैं, इसलिए इनमें ऊंची और लंबी छलांग लगाने की क्षमता के लिए ताकतवर इंजन होना चाहिए क्योंकि पोत पर विमान को छोटे मार्ग से उछाल मार कर उड़ान भरनी होती है। ये सब खूबियां इस विमान में हैं।

याद रहे देश की रक्षा ताकत बढ़ाने की दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में खंस यात्रा के दौरान खंसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन से 36 राफेल जंगी जहाजों का सौदा किया था। यह सौदा अरसे से अधर में लटका था। फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति खंस्वा ओलांद और प्रधानमंत्री मोदी के बीच सीधे बातचीत के बाद यह सौदा अंतिम रूप ले पाया था। इस लिहाज से इस सौंदे के दो फायदे देखने में आए थे। एक, ये युद्धक विमान जल्द से जल्द हमारी वायुसेना के जहाजी बेड़े में शामिल हो गए। दूसरे, इस खरीद में दलाली की कोई गुंजाइश नहीं रह गई थी, क्योंकि सौदे को दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने सीधे संवाद के जरिए अंतिम रूप दिया था। हालांकि रक्षा उपकरणों की खरीदी से अनेक किंतु-परंतु जुड़े होते हैं, सो इस खरीद से भी जुड़ गए थे, लेकिन कोई कमी सामने नहीं आई। भारतीय सेना के लिए लड़ाकू विमानों की खरीद इसलिए जरूरी थी, क्योंकि हमारे लड़ाकू बेड़े में शामिल ज्यादातर विमान पुराने होने के कारण जर्जर हालत में हैं। अनेक विमानों की उड़ान अवधि समाप्त हो जाने के बावजूद उनका इस्तेमाल किया जाता रहा है। इन कारणों के चलते आये दिन जेटों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं सामने आती रहीं। इन दुर्घटनाओं में वायु सैनिकों के बिना लड़े ही शहीद होने का सिलसिला बन गया था। राफेल विमानों की खरीद के बाद दुर्घटनाओं पर तो विराम लगेगा ही, हमारे सैनिक बिना लड़े शहीद भी नहीं होंगे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Universe: Baisakhi's spiritual harvest

The harvest festival is widely celebrated in India. This time of the year is of great significance for many states. It is celebrated in Assam as Rongali Bihu, where it marks the start of a new agricultural cycle and the beginning of a new year. In Kerala, Vishu ushers in the Malayali New Year, as does Puthandu in Tamil Nadu and Pohela Boishakh for Bengalis, in both India and Bangladesh. For Punjab, Baisakhi also has spiritual significance.

We all know of how Guru Gobind Singh founded the Khalsa on the day of Baisakhi in 1699. Speaking out against injustice had been stressed from the time of Guru Nanak Dev, who wrote the hymns collectively called Babur Bani. In these, he severely criticised the excesses of the invading force and the plight of the people caught between the two warring armies. He reflected on the injustice, on the pain and suffering that followed the invasion, as well as the nature of Divine Will.

The Gurus that followed him and their followers had a long history of resisting autocracy and injustice, and speaking truth to power, which is too well known to reiterate. Guru Gobind Singh's transformation of the spirit of the Sikhs into that of the Khalsa was a spiritual harvest. The seeds of values that the first nine Gurus sowed in the fertile minds of their followers had now grown to fruition.Gurbani guided the Sikhs and showed them the path. Now it was time to have a cadre of the committed who would represent the highest spiritual values inculcated in them by the Guru. They would be exemplars who stood out because of their deeds and convictions. They would follow the Guru's teaching and act upon it.Amrit transformed the Sikhs spiritually, and the Guru set an unprecedented example of himself taking amrit from his Sikhs. He created a community of Sikhs where they would submit to the will of the Almighty and follow Guru Gobind Singh's injunction: "Manas ki jaat sabhe ekeh pehchaanbo", by recognising all humanity as one.What were the Khalsa like? Let's take one example. Baba Deep Singh was the scholar who scribed Guru Granth Sahib and at the Guru's direction, immersed himself in teaching and explaining Gurbani at Damdama Sahib after the Guru left. He embodied the spirit of the Khalsa. In popular iconography, he is remembered as a great warrior who fell in battle while defending Harmandir Sahib in Amritsar. The spiritual discipline that he followed, his knowledge of, and efforts to propagate Gurbani and the strength of his conviction do not get enough attention, but they made him what he was - a true scholar-

The Khalsa were transformed from inside, and they were required to wear distinctive symbols that set them apart, to themselves, and to the people at large. The spirit of the Khalsa at Anandpur Sahib would awaken the Sikhs and give them the spiritual strength that enabled them to fight tyranny. After being tested in many ways, they would emerge as true followers of the Guru and as spiritually strong, empathetic and socially responsible individuals ready to stand for the wronged.

"Deh Siva bar mohe eh hai/Subh karman te kabhon na taron/Na daron ar so jab jaye laron/ Nischay kar apni jeet karon", the popular hymn of the 10th Guru encapsulates the Khalsa's prayer for a life of courage and bravery that gives the strength to embrace good deeds and win with rightful conviction. The spiritual core of Gurbani and simran make the Khalsa stand up for the weak, even as they conduct their day-to-day duties to their family and society, ever ready to help the needy. These are qualities we would well want in every human being. The spiritual harvest of Baisakhi was transformative, indeed.

Partisan governors: The shrinking space for dissent

To make matters worse, such biased derelictions by erring appointees are encouraged with telling silences and promotions.

Conduct of constitutional offices and institutions warrants apolitical bearing and expressions. While legality is imperative, upholding the spirit of constitutional morality and unconstrained 'voice' is the key. Is India witnessing the erosion and diminishment of such offices and institutions or are they displaying the spine to question the powers-that-be? The answer lies in the capacity to recollect the last time when a dissenting note was struck against the ruling dispensation at the Centre by the It is not as if it is only the career politicians in gubernatorial Rashtrapati Bhawan, Raj Bhawan/Raj Niwas,

investigative agencies, et al? The displeasures are seemingly reserved exclusively for opposition parties or states run by the same. To be fair, this is not a new phenomenon as there have always been taints of partisanship in earlier times too. From the infamous surrender on the night of June 25, 1975 (imposition of Emergency) to the then Uttar Pradesh Governor Romesh Bhandari's ill-advised recommendation to dismiss Kalyan Singh's government, history is instructive of misuse of constitutional

However, there have been many instances of presidents and governors who refused to kowtow and upheld the dignity and majesty of democratic and constitutional traditions. Examples like KR Narayanan, APJ Abdul Kalam to even Zail Singh, standing up to attempts to reduce their offices to "rubber stamps" are legendary.But all that was in the distant past. Today, successive occupants to the highest office of the land on the Raisina Hill have quietly endorsed all Bills and debates (some contentious and polarising) with no call to caution, let alone

"reconsider". The highest offices in the states and union territories, too, have shown similar acquiescence, with no space to disagree, save for disagreements with opposition parties or against the opposition party-led governments. The timeless adage of a thriving democracy that "disagreement is the highest form of patriotism" has long been buried. Foundational fathers of the "constitutional idea of India", including Dr BR Ambedkar, had insisted that a governor ought not to use his/her discretion as a "representative of a party" but as the "representative of the people as a whole." It implied a fierce independence that owed no obligation to the partisan persuasion that had elevated them to the high office in the first place. While competitive politics by all national or regional parties are rumbustious, unsubstantiated, and even unhinged, it was hoped that the constitutional appointees would act like the

proverbial "adults in a room" to ensure that constitutional propriety reigned supreme once the dust and din of accusations had settled. Sadly, recent times have seen a flurry of gubernatorial outreaches that have blurred the essential lines between constitutional posts and politicians. To make matters worse, such partisan derelictions by erring appointees are not shunned. Rather, they are encouraged with telling silences and promotions. roles who are found unhealthily enthusiastic on partisan



matters. Even those from professional backgrounds in supposedly apolitical institutions are seen participating in matters which militate against the mandated restraint and sobriety. One running case of the governor-versus-chief minister saga (obviously in an opposition party-ruled state) is from Tamil Nadu. While the state politicians (irrespective of party) are never a modicum of constitutional morality, given the excesses, "manufactured emotions", and leniencies that they practice, it is incumbent on the "conscience-keeper of the Constitution", ie, the governor, to not retaliate act by act. Tamil Nadu has had its own complicated history of dissonance, with contentious issues like language, culture, etc, but over time, most sore points had healed and an overarching theme of acceptance and natural inclusivity prevailed. Today, a sense of reactionary and regional revisionism with perceived impositions by "Delhi" has returned. The agendas of the past are making a comeback. While the regional and national political parties cannot escape blame for the regressive slide, it is conjoining of the gubernatorial offices in the partisan battles that is increasingly discomforting.

Recently, it took the Supreme Court to call out that actions of the sitting Governor of Tamil Nadu as "arbitrary" and "illegal", when ruling that the Governor cannot reserve Bills for the President after withholding assent. The top

court presciently reminded, "All actions of the Governor must align with the principle of parliamentary democracy", suggesting a diminishment of the vital federal spirit, as envisaged in the Constitution. On cue, it corrected the action by noting, "All actions taken by the Governor thereto for the 10 bills are set aside. These Bills shall be deemed to be cleared from the date it was represented to the Governor."

ncidentally, the said Governor has had a distinguished career in the Indian Police Service in amongst the most politicised states (in terms of Centerstate relations), ie, Kerala. Hence, he would be expected to be well versed with the dangers of partisanship. Later, he was to assume very responsible positions in other professional and ostensibly apolitical institutions like the Central Bureau of Intelligence (CBI) and the Intelligence Bureau (IB) and even a stint as Deputy National Security Adviser, which would have

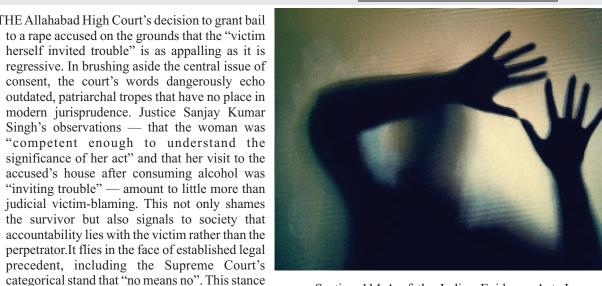
grounded him in the need to maintain the lofty spirit of independence and constitutional morality.

But his gubernatorial stint has been marked by inelegant run-ins with the state government. For example, when he refused convention to deliver a prepared speech and pursuant to the same, omitted words such as secularism, compassion, women empowerment, self-respect and portions on Dravidian leaders and BR Ambedkar. It would be naïve to assume that the selected omissions were not conforming to any partisan preference.

In times that be, valourising the dominant partisan thought is all-pervasive and the crucial power to dissent is seemingly exercised at only the opposition side. If the ruling dispensation truly seeks to be the "party with a difference" (as claimed), it needn't invoke the playbook of the past. Indians and Indian politics deserve better.

A regressive verdict

HC contradicts SC stand on consent



Section 114-A of the Indian Evidence Act. In rape cases, the law presumes absence of consent when the

victim testifies so. This legal provision was designed to protect survivors from invasive scrutiny and to shift focus onto the actions of the accused. Alarmingly, this is not an isolated incident. In February 2025, the same court granted bail to a rape accused on the condition that he marry the survivor within three months of release. Such judgments not only undermine the gravity of the crime but also risk coercing survivors into unwanted relationships, further compromising their autonomy and dignity. The Allahabad High Court, by bypassing this statutory safeguard, undermines decades of legal reform and feminist struggle. The question before the court was whether the accused forced himself upon the woman without her consent — not what

she drank, where she went or whom she trusted.

Let sleeping statues stand, why lose sleep over them

There is more to our nation's destiny than the removal of statues and the renaming of towns

In Shimla's Christ Church, there is an impressive plaque dedicated to General Sir Gerald de Courcy Morton, once Adjutant-General of the Indian Army. The last two lines describe him as: "Of a noble character and a simple gentleman." He may have been that to his family and to a circle of comrades; in reality, he was anything but. This was the man behind the development of the dumdum bullet for warfare. The notoriety of this bullet lay in the fact that it was used for big-game hunting and expanded on impact, causing maximum injury. The Hague Convention of 1899 banned its use but not before its defenders proclaimed: 'The savage, like the tiger, needed to be stopped in its tracks.' This memorial is an extraordinary piece of 'lesser-known' history. In its silence, this stands testimony to a period that if not analysed and treated with maturity and understood for its nuances, opens doors to destructive forces.Far away from Shimla, in the thriving port town of Bristol located in the southwest of England, during the 'Black Lives Matter' movement, the statue of the wealthy merchant and slave-trader, Edward Colston, was pulled down and thrown into the harbour. It was subsequently retrieved and placed in a museum. Before it was removed, repeated texts went back and forth for a plaque that would explain Colston's role both as a philanthropist and as a slaver. That plaque never came about. While this is for another country and another culture to decide, had that text been placed, the statue could have escaped a dunking and Colston's disposition would have been explained. Even after it has been brushed under the carpet, history, no matter where, has a strange way of

LIEUT. GENERAL

has been reaffirmed in various rulings interpreting

worming a way out. A year or so back, one visited Rashtrapati Bhavan in New Delhi and noticed that the bust of Edwin Lutyens, the architect of this magnificent building, which was placed at the head of an impressive staircase, was missing. "It has been sent for restoration," I was told. "Ah well, another bust bites the dust" was what one instinctively thought. I was there a few weeks back and was pleasantly surprised to find it back in the place where it had been for decades. Some conversations later, one came to learn that it was on its way out and would shortly be replaced by a statue of C Rajagopalachari, the first Indian Governor-General who took office in 1948 after Lord Mountbatten demitted it. Placing a statue of Rajaji, as he was fondly called, seems logical, the removal of Lutyens' does not. In another part of Delhi lies Coronation Park — a place that I'd call a 'Graveyard of Empire'. A half-hearted creation with half-hearted maintenance, the area of the park covers a substantial 53 acres. The only time the place seems to come alive is around lunch time, when people gather and eat in the shade of trees, and in the evenings, when children use the small playground. Rare groups of tourists occasionally come by.In various phases of wither, here rest some of the statues that have been removed from other parts of the city and placed here. 'Coronation Park' was the site of the three great durbars of 1877, 1903 and 1911. The third, in 1911, announced the shift of the capital from Kolkata to New Delhi. An obelisk marks the place where King George and Queen Mary received homage from the Indian princes and others. Today, just across from that strategically placed obelisk, is the forlorn statue of the one-time King Emperor of India. This was what stood in the canopy near India Gate, which now holds the statue of Subhas Chandra Bose. The king's 70-foot-high

statue was an exemplary piece of sculpture that had been executed by Charles Sargeant Jagger. At a time when one in four persons on our planet lived under the shadow of the British flag, this may have been an exceptional piece of art, but perhaps, more importantly, was a powerful political statement.It continued to remain in its place by India Gate for several years after Independence. When American President Dwight Eisenhower visited India in 1959, he is believed to have remarked something to the effect that "America had got rid of its King George and what was India still doing with theirs?" After the statue was vandalised in 1966, it was removed and subsequently placed where it now stands. The colonisation of history along with the colonisation of the country was a fairly simple process. Everything that was pre-colonial was dismissed. The colonial power portrayed itself as the lord and saviour of India, Africa, and the Caribbean — or of any other handy part of the world. De-colonising is trickier. The slope is slippery and one cannot be as sweepingly dismissive. With his consistent perspicacity, Mark Twain noted: "Nations do not think, they only feel. They get their feelings at second hand through their temperaments, not their brains." Every once in a while, a moment comes when an individual or nation stands at the cusp of greatness or failure. We stand at that moment. There is more to our nation's destiny than the removal of statues and the renaming of towns. There is a thin fine line that statues may also walk. That having been said, there is only national maturity and confidence to display by allowing certain sleeping statues to stand.

On the Merry-go-Round -Right Now, Right Here

New Delhi. Some years back, I started a series in this column titled 'Right Now', which was the title of a popular rock song released over three decades ago by the music group, Van Halen. The lyrics of this song proposed living for the moment and not being afraid of making a change. So, in this fortnight's column, I propose to take you, my valued readers, on a Giant-Wheel ride 'Right Now' across our financial markets.Right now, the dust that seemed to be settling on the just ended financial year has turned into a storm across global markets following the launch of fresh tariffs by the United States of America and its subsequent pause for countries other than China. For the record, the financial year gone by actually ended up accentuating the bull run at the Indian bourses. Does this mean the current financial year will be one marked by even greater volatility? Perhaps so, but as far as I am concerned, even if it does, what matters is how well the Indian government, as also an investor is able to ride the tariff storm.

Right now, one needs to tread cautiously as the tariff situation just like Covid, is unprecedented. In fact, even more so as Covid like situations had been seen and faced sporadically in the past. Clearly, the real target of the tariffs is China, but they have the economic firepower to take on the US in a prolonged tariff war that ebbs and rises like a tide.

Right now, India could be a potential beneficiary of a prolonged trade war between America and China, given that its government has good relations with the American government and is working on striking a bilateral trade deal that will be mutually beneficial. Heightened economic activity with China which will now be more eager to engage with India more actively to gain wider access to its large market, could be a positive fallout as also peace on the borders which could be another big plus. Right now, there are seasoned market participants doing more than hedging their equity bets with gold. The price of the precious yellow metal continues to surge. And, if the equity markets remain even half as volatile as it has been over the last fortnight, can there be a further uptick in gold prices? Depending on one's answer to this question, one could either top up the yellow metal or simply sit back and let the growth in value happen on its own sans the deployment of further

Indian Stock Market Set For Data-driven Outcomes This Week

Mumbai. The current week is poised to be a crucial one for global markets, including the Indian benchmark indices, as inflation, industrial activity and employment data line up across the world's largest economies, a report said on Monday.

Investors can expect increased volatility and sharper focus on central bank cues. The week of April 12 to April 19, 2025, brings a host of significant economic data releases from major global economies, which are expected to guide market sentiment and influence monetary policy expectations."In India, the Wholesale Price Index (WPI) for March will be released on April 15. This indicator will provide insights into wholesale inflation trends, which are crucial for understanding cost pressures at the production level and could have implications for the Reserve Bank of India's future rate decisions," said a note by Bajaj Broking Research. From the United States, key data will begin with the Industrial Production (YoY) numbers for March, scheduled for release on April 16. This data will offer a snapshot of the strength of the manufacturing sector and overall industrial activity.

Following that, on April 17, the Initial Jobless Claims report will be closely watched by investors and policymakers alike. As a leading indicator of the labor market's health, any unexpected uptick in claims could signal potential softness in employment, influencing the Federal Reserve's stance on interest rates, the note said. China, too, will be in the spotlight on April 16 with a trio of critical economic indicators. The country will report its Q1 GDP growth (quarter-on-quarter), Industrial Production (YoY) for March, and the Unemployment Rate for March."Together, these figures will offer a comprehensive view of China's post-pandemic economic recovery, domestic demand trends, and labor market conditions. Strong data from China could boost investor confidence globally, particularly in commodity and industrial sectors that are closely tied to Chinese demand," said Bajaj Broking Research.

Bank of India Withdraws Special 400 Days FD Scheme, Reduces Interest Rates On Other Maturities

New Delhi. Bank of India, has announced to withdraw its special fixed deposit scheme for 400 days wherein it waws offering interest rate upto 7.30%.

Also, the public sector bank has reduced Rate of Interest on its short-term & medium-term Fixed Deposits for various maturities w.e.f 15th April 2025. The bank has reduced its rate for Fixed Deposits for amount of less than Rs.3.00 Crs and is now offering 4.25% for deposits maturing between 91 days and 179 days and 5.75% for 180 days to less than 1 year. Deposits for one year would get an interest rate of 7.05% while those above 1 year up to 2 years would get 6.75%. The deposit in the amount bucket of 3 crores to less than Rs 10 Crs, Bank will be offering 5.75% for deposits maturing between 91 days and 179 days, 6.25% for 180 days to up to 210 days, and 6.50% for deposits of 211 days to less than one year. Deposits for one year would get an interest rate of 7.05% while those above 1 year to less than 2 years would get 6.70%. The revised rates are to be made effective from 15th April, 2025. An additional rate of interest of 0.65% on deposits of Super Senior Citizens and 0.50% on deposits of Senior Citizens below Rs.

India's Semiconductor Industry Likely To Double Revenue To \$108 Bn By 2030: Report

Nilesh Shah flags tax loophole that can be exploited by NRIs Wealthy individuals may shift abroad to avoid capital gains tax Shah calls for law changes to prevent tax loopholes for NRIs

New Delhi. If you have significant capital gains tax liability on eligible securities, shift to the UAE for more than 183 days. Your family holiday abroad will be funded from the savings

on capital gains tax." That is Kotak Mutual Fund MD Nilesh Shah's blunt message about what he sees as a rising tax dodge among India's wealthy. What he means is that some high-net-worth individuals are temporarily shifting their residence abroad to avoid paying capital gains

Shah shared a post on social media platform X, citing a recent ruling by the Mumbai Income Tax Appellate Tribunal (ITAT), which allowed a Singapore-based investor to claim a tax exemption on more than Rs 1.35 crore in capital gains from mutual fund units. The tribunal cited the India-Singapore tax treaty, which, like several other treaties India has signed, allows such gains to be taxed only in the investor's country of residence.

Here is how the loophole works. India's tax treaties with countries such as the UAE, Singapore, Mauritius and Portugal contain provisions that let residents of those countries pay capital

when selling mutual fund units. Since some of these countries, including



the UAE, do not tax capital gains, investors effectively pay nothing. The only condition is residency. If someone stays in the foreign country for more than 183 days in a financial year, they qualify as a non-resident under Indian tax rules and can use this benefit.

Shah said, "We should amend the laws

immediately to ensure that tax is paid in the host country and credit is taken in the reciprocal country. If we have to persist

with tax benefits for larger causes, they should only be available to foreign citizens and not to "seasonal non-residents." The path of fiscal prudence runs through taxes. Tax compliance depends on an equitable distribution of the burden. Equitable distribution of tax burden will not happen if high taxpayers are incentivised to move abroad. "Today it might be a small amount, but tomorrow it could open a floodgate,' he added. To make his point, Shah quoted a Gujarati saying: "Ghar na

chokra ghanti chhate ane padosi ne aato." It roughly translates to, "children at home lick the grinder while the neighbours get the flour." In other words, those who stay and pay taxes in India might end up worse off than those who leave to avoid them. Shah described this growing behaviour as "seasonal non-residency.

When should you worry

about money

NEW DELHI. If you are faint-hearted, financial

markets could scare you right now. There is

volatility due to everyday buying and selling of shares, bonds or commodities. Then, there is

volatility, as we are witnessing now. It is a peculiar

situation triggered by uncertainty. Financial markets wobble when they do not know what lies

ahead. It is essential to know that you are a saver

and an investor. The uncertainty that affects

financial markets worldwide is bound to create

doubts in your mind. You need to follow lead

indicators that could help you make sense of the

f you are a saver, your money is influenced mainly

situation and take appropriate action.

Inflation and Interest rates

Investor visits Mumbai slum, uncovers uncomfortable truth about 'Make in India'

NEW DELHI. The 'Make in India' plan was started in 2014 to make India a big name in global manufacturing. The idea was to make India the top choice for companies around the world to set up their factories. But more than ten years late, is India really making

Veteran investor Shankar Sharma recently shared a personal experience that raised fresh questions about India's manufacturing reality. During a visit to a slum in Mumbai, he thought he had found proof of local innovation. In a small workshop, he saw well-made gym equipment on display and asked if the items were built there."We

are on the cusp of a manufacturing boom finally," Sharma wrote on social media platform X, recalling what he had first thought.But his excitement faded fast. When he asked the shop owner if the equipment was really made there, the reply was simple and honest: "Sir, I import from China and assemble it here. Their quality, finish, look, is simply unmatchable."For him and many others, the post showed a This comes at a time when many hard truth. A lot of what we call "Made in India" is actually made in China and



only put together here.

His post sparked reactions from several users who shared similar views. One user wrote, "We can't even make everyday items like nail clippers, luggage, or bathroom weighing scales to the quality that China does. Cars and electronics toh door ki baat hai (those

are far-off dreams)."Another commented, "It's time the world accepted that China is ahead."

countries, especially the United States, are looking for other places to make

goods instead of depending only on China. The COVID-19 pandemic and the trade war between the US and China made this shift feel urgent. With US tariffs on Chinese goods now going as high as 145%, and India not facing such trade barriers, the timing seems right for India to step up.But the situation on the ground tells a different story. One of the main problems is how factories are built and allowed

to operate in India. The Economic Survey for 2023–24 mentions a study by Prosperiti that shows how tough it is to set up a factory in many Indian states. Local rules require things like wide spaces between buildings, lots of parking spots, and limits on how tall or large factories can be.

by inflation and interest rates. The latest monetary policy update from the Reserve Bank of India expects inflation to hover around 4% for 2025-26. That is lower than the average consumer price inflation in India of 4.7% in 2024-25. You need to observe the yield curve in the bond market to get a sense of the direction. Trillions of dollars move across bond markets where yields indicate the economic outlook. The 10-year bond yields are a benchmark in a well-functioning government bond market. India is witnessing a benign trend in bond yields as the market buys RBI's projections for inflation. If there is a risk of inflation, bond yields tend to rise. In the US, yields are rising sharply due to risks of a bond selloff. Globally, it is currently a significant risk for the financial system. Countries like Japan, China, and Britain hold high-

denomination US treasury bonds. There are fears that China could use them to stall the US strategy of imposing tariffs. To some extent, that worked when, at the last minute, the Trump administration allowed a 90-day relief to countries on tariffs except China. However, the 10-year bond yields are rising as the risk to the US economy continues. That hurts the equity assets in the US as they share an inverse relationship. The volatility in the US stock market nas been at its nighest ievel since COVID-19. If global interest rates remain elevated, it will also be hard to see any rapid interest rate cuts in India. In an interconnected world, India's economy cannot move in the other direction. Economic Growth and profits

India's annual economic growth will likely remain at 6.5% for the next few years. Despite the turmoil in global trade, there is no significant revision in the growth prospects. While exports could be affected, it helps India not to be an export-centric economy. India needs to grow faster than it is growing now to meet the needs of the surging population. A global slowdown due to a trade war could stall the march and business growth. Indian companies seem to have been using capital more efficiently and generating steady returns for a long time.

Trump's commerce secretary says new electronics tariff exemptions are temporary, chip tariffs coming

NASHVILLE. Tariff exemptions announced Friday on electronics like smartphones and laptops are only a temporary reprieve until the Trump administration develops a new tariff approach specific to the The Trump administration late Friday semiconductor industry, U.S. Commerce Secretary Howard Lutnick said Sunday.hite House officials, including President Donald Trump himself, spent Sunday downplaying the significance of exemptions that lessen but won't eliminate the effect of U.S. tariffs on imports of popular consumer devices

and their key components. 'They're exempt from the reciprocal semiconductor tariffs, which are coming in probably a month or two," Lutnick told ABC's "This Week" on Sunday.Trump added to the confusion hours later, declaring on social media that there was no "exception" at all because the goods are "just moving to a different" bucket and will still face a 20% tariff as part of his administration's move to punish China for its role in fentanyl trafficking.

had said it would exclude electronics from broader so-called reciprocal the prices down for phones and other consumer products that aren't usually made in the U.S.China's commerce ministry in a Sunday statement welcomed the change as a small step even as it called for the U.S. to completely cancel the rest of its

tariffs but they're included in the Sparing electronics was expected to benefit big tech companies like Apple and Samsung and chip makers like Nvidia, though the uncertainty of future tariffs may rein in an anticipated tech stock rally on Monday.U.S. Customs and Border Protection said items like

smartphones, laptops, hard drives, flat-panel monitors and some chips would qualify for the exemption. Machines used to make semiconductors are excluded too. That means they won't be subject to most of the tariffs levied on China or the 10% baseline tariffs elsewhere.

tariffs, a move that could help keep It was the latest tariff change by the Trump administration, which has made several U-turns in its massive plan to put tariffs in place on goods from most countries. White House officials sought to dismiss any suggestion of a reprieve as the weekend progressed."It's not really an exception. That's not even the right word for it," U.S. Trade Representative Jamieson Greer told CBS' "Face the Nation" on Sunday. "This type of supply chain moved from the tariff regime for the global tariff, the reciprocal tariff, and it moved to the national security tariff

RBI may pay record Rs 2.5 lakh crore dividend to centre in FY25

RBI may pay record Rs 2.5 lakh crore dividend to centre for FY25 Income from dollar sales and interest boosted RBI's earnings Analysts expect final dividend to range Rs 2.8-3.5 lakh crore

New Delhi. The Reserve Bank of India (RBI) is likely to pay a record dividend of around Rs 2.5 lakh crore to the government for the financial year 2024-25 (FY25), according to economists and analysts. This would be higher than last year's large payout of Rs 2.1 lakh crore and could reduce the government's need to borrow more money this year.

If the actual payout crosses Rs 2.5 lakh crore, it would be nearly 20% more than the dividend the RBI gave last year. It would also easily surpass the government's own budget estimate of Rs 2.2 lakh crore for the year. Analysts say this would be a big support for the Centre's finances, especially in a year

when the government is expected to spend more to boost the economy.

The expected jump in the dividend is due to two main reasons. First, the RBI sold large amounts of US dollars in the market to keep the rupee stable. These sales brought in income. Second, the central bank earned interest from giving funds to banks through its liquidity operations. One overseas banking group believes the dividend could be as high as Rs 3.5 lakh crore, which would be the highest ever from the RBI to the government. The RBI is likely to announce the exact dividend amount in late May. Last year, the payout surprised many as it was double what most had expected. These funds are important for the government as they help in reducing the fiscal deficit — the gap between the government's income and spending. When the government receives more money through dividends, it does not need to borrow as much from the Emkay expects the final dividend amount market. This also helps lower bond yields and improves liquidity in the banking system. Madhavi Arora, Chief Economist at Emkay Global Financial

Services, told The Economic Times, "This dividend gives the government room to correct their fiscal deficit, especially since there has been a drop in tax collection due to the slowdown in



the economy. Additionally, there will be very high liquidity that would be coming via this route, which would be good for the bond market, pushing down yields especially of the shorter tenured

to be in the range of Rs 2.8 lakh crore to Rs 3 lakh crore. Other analysts agree that there is a strong chance of a bumper dividend. Dhiraj Nim, economist and

foreign exchange strategist at ANZ Banking Group, said, "The RBI undertook significant dollar sales to support the rupee and maintain exchange rate stability. Additionally,

tight systemic liquidity prompted the RBI to extend funds to banks, thereby contributing to its interest income. Therefore, the dividend payout for FY25 is likely to be large." Nim expects the transfer to be between Rs 2.5 lakh crore and Rs 3.5 lakh crore.

Analysts have looked at the RBI's balance sheet and found enough signs that the central bank has earned more than last year. Apart from dollar sales and interest income, the RBI's gains from its investment portfolio may also have added to the surplus. This transfer of surplus comes at a time when the government needs funds to continue supporting economic growth, especially as some sectors have shown signs of slowing down. A largerthan-expected dividend would give the Centre more room to spend without widening its fiscal deficit too much.

AAP succeeds at trapping BJP in narrative snare

New Delhi. Politics today is in a big way about narratives. The Rekha Gupta government, which has taken charge of Delhi, in the past two months has tried to set the development narrative. It has also tried to create a narrative, and rightly so, against the preceding Aam Aadmi Party (AAP) government being corrupt. The tabling of the held-up reports of the Comptroller and Auditor General (CAG) ostensibly have strengthened their stand.

This grandstanding has however largely been from the Ministerial pulpits within the assembly. The AAP leadership, finding itself on the back foot, as part of strategy resisted engaging with the government on the floor of house creating pandemonium and being marshalled out or walking out on its volition. The BJP, however, must realise that its rival is a party whose rise has been fuelled by creating narratives in its favour. It doesn't have qualms about its tallest leader Arvind Kejriwal creating a 'storm' on power cuts by posting on microblogging site X about an innocuous incident.

This forced the Delhi government to come out

Video: DU college principal

coats classroom with cow

NEW DELHI. The principal of Delhi University's

Laxmibai College has been caught on video coating

the walls of a classroom with cow dung. The Principal

Pratyush Vatsala told PTI that the act was part of an

ongoing research project being undertaken by a

faculty member."It is under process. I will be able to

share details of the full research after a week. The

research is being carried out in porta cabins. I coated

one of them myself because there's no harm in

touching natural mud. Some people are spreading

misinformation without knowing the full details," she

She reportedly shared the video herself in the college's

being adopted to cool classrooms in C Block.

initiative focused on one of them.

"Quite Bizarre": UP Cop

Accused In Huge Mix-Up

the proclamation order in a theft case.

Hunts For Judge Instead Of

New Delhi. In a bizarre mix-up, a policeman in Uttar

Pradesh's Firozabad launched a hunt for a judge after

writing down her name in place of the accused man on

The mix-up emerged last month when sub-inspector

Banwarilal, who was assigned to serve a court notice

to theft suspect Rajkumar, informed the chief judicial

magistrate, Nagma Khan, that the accused "Nagma

Khan" could not be found at her home despite a "thorough search". "When the attached NBW (nonbailable warrant) was served by me, then a thorough

search was done at the mentioned address of Nagma Khan, and no accused of this name lives at the said address. Therefore, you are requested to please pass

teachers' group, noting that indigenous methods are

Those who have classes here will soon get these rooms

in a new look. Efforts are being made to make your

teaching experience pleasant," she wrote in the

message. Established in 1965, and named after Rani

Lakshmibai of Jhansi, the college is located in Ashok

Vihar and operates under the Delhi government. The

college comprises five blocks, with the recent

dung for 'research'



with clarification both inside and outside the house. This whole episode shows the strategy of the AAP to 'embarrass' the Rekha Gupta government. Their strategy would be to hit the government with what they call 'citizen' issues and then scoot leaving the government to do the explanations.

They managed to do this on the rise of the fee in the private unaided schools and then on the matter of the issue of the permanent free bus ride passes for the women residents of the national capital. AAP's Delhi unit leader and a prominent face, Saurabh Bhardwaj addressed a press conference alleging how

he foresees corruption entering into the process of the issue of passes.

And now the issue of saffron activists forcing closure of fish-selling kiosks in Market No. 1 of Chittaranjan Park, the Bengali dominated locality falling within the Greater Kailash assembly constituency of South Delhi. The said 'outrage' against the move forced the president of Delhi BJP, Virendra Sachdeva and the local BJP MLA Shikha Roy to come out

The controversy erupted after a video was circulated, showing a member of "saffron brigade" making a case before the fish sellers for the shutdown of shops, citing a temple's closeness. Mahua Moitra, the Trinamool Congress MP from West Bengal, posted a series of statements on X, accusing BJP workers of threatening Bengali fish vendors. It may recalled that Trinamool Congress had supported the AAP in the last assembly polls and they are close allies in INDIAlliance.

There is a possibility that the Delhi Police would work out the case, the video may be declared to be doctored and even some arrests made in the matter. However, in the war of narratives, the BJP government has again been put on the defence. It's said that there is no smoke without fire. In the past few years, a large number of the BJP leaders have imbibed Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath's aggressive Hinduvta posturing. While this posturing has helped the BJP consolidate its position in Uttar Pradesh, given Adityanath's ability to perpetuate the agenda and handle the fallout, it has created more headaches in the

with an explanation at a press Before Delhi, we have the example of Maharashtra where from Aurangzeb the agenda meandered to bashing up of the non-Marathi speaking residents of the state.In Delhi too, the BJP legislator from Patparganj, Ravi Negi went hammer and tongs on closing the meat shops during the Navratras.

His idea may have been to target the Muslim population in his constituency, which doesn't vote for him. The question is, can a ruling party MLA of a mega polis like Delhi afford to have such myopic vision. The BJP must realise that among its political rivals pan India, in Delhi it has a party in opposition which has a reputation of being stronger in creating narratives than the ruling party.

Delhi set to enforce fuel ban on overage vehicles by April-end

NEW DELHI. The Delhi government is just weeks away from enforcing its long-planned policy to deny fuel to overage vehicles-a move aimed at tackling the capital's persistent air pollution. Of the city's 500 fuel stations, 477 are now equipped with systems to detect vehicle age, leaving just 23 installations before full implementation.

The policy, which bars petrol vehicles older than 15 years and diesel vehicles older than 10 years from being refuelled, was initially scheduled to come into effect on April 1. However, delays in the installation of Automatic Number Plate Recognition (ANPR) cameras at all fuel stations pushed back the launch. Now, officials say the system is nearly ready. "We have completed device installation at 477 fuel refilling stations, with only 23 remaining. Chief Minister Rekha Gupta and Environment Minister Manjinder Singh Sirsa are closely monitoring the progress. A full rollout will take place by the end of this month," a senior environment department official said.

So far, ANPR detection systems have been installed at 372 petrol pumps and 105 CNG stations across Delhi. The remaining 23 stations are expected to be covered within the next 10 to 15 days. The government aims to enforce the policy citywide by the end of April. To implement the ban, ANPR cameras are being used to scan vehicle number plates and

retrieve registration data to determine the vehicle's age. These systems will also verify whether the vehicle holds a valid Pollution Under Control (PUC) certificate. If a vehicle is identified as

overage or non-compliant, an alert will be sent to fuel station staff, who will then deny refuelling. "Our goal is total enforcement. We don't want a situation where the system works at some pumps and not at others. Once every station is ready, we will launch the initiative across the city," Sirsa had said earlier.

Some AAP councillors may vote for BJP in MCD polls previously supported AAP candidates NEW DELHI. The Bharatiya Janata The power struggle within the AAP-led

Party (BJP) is set to form a "tripleengine" government in Delhi by securing a win in the upcoming Municipal Corporation of Delhi (MCD) mayoral elections, scheduled for April 25. In a major political development, sources have claimed that nearly 15 to 25 AAP councillors could vote in favour of BJP candidates for the posts of Mayor and Deputy

This potential defection is possible due to the non-applicability of the Anti-Defection Law in the MCD. Discontent among AAP councillors has reportedly grown due to anti-incumbency in their wards and the failure to constitute the Standing Committee and other key civic bodies since AAP's victory in the 2022 MCD polls.

According to sources, critical civic projects worth over Rs 5 crore have remained stalled due to the absence of the Standing Committee. These include policy matters, audits, layout plan approvals, waste management MCD has reportedly disrupted developmental work across the city. "The logiam created by AAP's power



tussles has affected the delivery of civic services. Without the Standing Committee-which controls the finances—MCD operations have come to a standstill. Frustrated with the lack of development and unable to face their constituents, several AAP councillors are now in touch with the BJP and considering switching sides," a senior BJP leader, on the condition of anonymity said.

agreements, and biomining of landfills. The Congress party, which had

during the first mayoral polls, has decided to contest independently this time. The Congress has already announced candidates for all 12 vacant wards, signalling a three-way contest. The 250-member MCD currently has

238 active councillors, with 12 seats vacant due to recent victories in the Lok Sabha and Delhi Assembly elections. Among the 12, 11 councillors became MLAs and one seat fell vacant after BJP's Kamaljeet Sehrawat won the Dwarka Lok Sabha seat in 2024. By-elections for these seats will take place only after the mayoral polls.

In the 2022 MCD elections, AAP had won 134 seats, BJP 104, Congress 9, and Independents 3. AAP's Shelly Oberoi won the first mayoral poll by a margin of 35 votes, while Mahesh Khichi narrowly won the third mayoral election in November 2024 by just 3 votes. However, AAP has seen a sharp decline in support, and many councillors feel the party has lost

Delhi schools to organise special sessions on Ambedkar's life

NEW DELHI. Chief Minister Rekha Gupta on Sunday said that special 'Assembly Sessions' will now be organised in all city schools to educate students about Baba Saheb Ambedkar's life, struggles, and contributions. She fusaid that the Delhi government is committed to implementing equality, education, and health rights on the ground.

On the occasion of Ambedkar Jayanti, the CM flagged off a government-organised "Walkathon" at the Legislative Assembly. Gupta stated that this Walkathon is not just a symbolic march but a powerful medium to spread Baba Saheb's message of justice, equality, and rights to every citizen.She emphasised that Baba Saheb Ambedkar belongs not to one caste or group, but to the entire nation. Calling for people to rise above political boundaries, the Chief Minister urged everyone to adopt Baba Saheb Ambedkar's vision as a guiding light to build a harmonious and

His Jayanti is not just celebrated in India, but globally, as a festival of equality and justice. He can rightly be called the Architect of Modern India. Baba Saheb Ambedkar's foresight gave India a Constitution that is unmatched in its inclusiveness and strength," she said. "Thanks to Baba Saheb, 1.4 billion Indians today live under the same Constitution, enjoying equal rights and duties. He was not just a legal scholar but a visionary leader who turned ideals of equality, liberty, and justice into living principles," the CM added.Government will not just talk about Baba Saheb Ambedkar's values, but live them through actions. Whether it's equal access to education, inclusive healthcare, or dignified living conditions for every citizen, the government is working to make these ideals a reality, she said.

She announced that Delhi will celebrate Ambedkar Jayanti as a 15 days event and not just a single-day

Groundwater extraction through illegal borewells no less than 'sin': Delhi High Court

Court has likened the rampant extraction of groundwater through unauthorised borewells to a "sin and warned of strict action against those who deplete groundwater. The judges noted that if this practice continues unchecked, Delhi could

face a severe water crisis similar to that experienced in Johannesburg several years ago.

Chief Justice D.K. Upadhyaya and Justice Tushar Rao Gedela raised the alarm by asking, "Do you want Delhi to become like Johannesburg, where there was no water for months?" The remarks came during a public interest petition filed by advocate Sunil Kumar Sharma. Sharma claimed that several illegal submersible pumps had been installed at an under-



construction building on Goenka Road in the Roshanara area.

The court expressed serious concern about Delhi's falling water table and pointed out that illegal borewells are rapidly reducing groundwater levels. The judges also questioned how borewells for construction activities could have been allowed to operate at all. The petition revealed conflicting information: while the Municipal Corporation of Delhi reported six illegal borewells at the site, the SubDivisional Magistrate of Daryaganj confirmed only three had been

To resolve these differences and

assess the damage, the court ordered a joint survey of the property. Senior officials from the MCD, Delhi Jal Board (DJB), and the local police are to inspect the site within ten days and submit a detailed report. The bench made it clear that if active illegal borewells are found, the property owner could face environmental penalties. According to Sharma, the construction project involves around 100 residential units. He warned that the unauthorised borewells not only threaten local water supplies but also contribute to environmental damage.

Despite repeated requests to

authorities, no significant action has

been taken so far. The case is set for a

further hearing on July 30.

Delhi government lines up flyovers, underpasses to ease city traffic snarls



further orders," he told the court.In her March 24 order, Magistrate Khan said it was "quite bizarre" that Banwarilal had "little to no idea of what was sent by this court, who exactly sent it and against whom"."Without giving an inch of attention to the process, he first carelessly mentions the proclamation as an NBW and he then just wrote the name of the presiding officer quite blindly," she said.

The serving officer of the concerned Police Station who was supposed to comply with the proclamation issued under section 82 CrPC seems to have been lacking basic knowledge of what was asked in the proclamation on his part. It seems he has not even read it properly. Such patent and grave error on his part reflects poorly on his working as a police officer as he knows nothing of the duties enjoined on him," the judge added.

Meanwhile, Andheria Mor handles traffic heading to Indira **Gandhi International** Airport, Gurugram, and the Qutub Minar area.

NEW DELHI. To ease traffic flow in the national capital, the Delhi government is planning to construct new flyovers and underpasses. The flyovers include connecting Adchini to Lado Sarai, a flyover at Metcalf House near Chandgi Ram Akhada, the doubling of the Savitri flyover and underpasses at Peera Garhi to the initial plan, the PWD proposed a new flyover in Delhi to connect Adchini to Lado Sarai. This project is part of a broader effort to ease congestion on Aurobindo Marg and will involve an elevated corridor and underpasses. The elevated section will be 3 kilometres long and six lanes wide, running from Mother's International School to Mehrauli Archaeological

The Expenditure and Finance Committee (EFC) of Delhi government is set to meet on Tuesday to decide the projects. If EFC approves the plans, detailed project reports will be prepared. After that, Cabinet approval is required. Once the Cabinet gives its approval, tenders will be invited, sources said.



Another PWD project aims to double the one-way Savitri Cinema flyover along the Outer Ring Road in South Delhi. Once completed, the expanded flyover will help ease traffic around Chittaranjan Park, Greater Kailash, and Nehru Place. The PWD also plans to build underpasses at two of Delhi's busiest

South Delhi. Peeragarhi Chowk is a major intersection on the Outer Ring Road and a significant traffic bottleneck, handling vehicles moving between North and West Delhi, as well as commercial traffic from industrial areas. Meanwhile, Andheria Mor handles

West Delhi and Andheria Mor in

traffic heading to Indira Gandhi International Airport, Gurugram, and the Qutub Minar area."There have been attempts to decongest Andheria Mor in the past, but

none have had lasting success. Anti-encroachment drives are periodically carried out, but their impact is short-term. A proper design solution is needed," sources said. Another PWD project involves the construction of a 680-metre, six-lane flyover at Metcalf House T-junction in North Delhi.

Tuesday, 15 April 2025

Pet pitbull kills infant in US, mother says will never understand why

world. A seven-month-old infant was killed by one of her family's three pit bulls in US's Ohio, according to her parents. The mother of the baby, Elizah, posted photos of her daughter cuddling with the dogs on Facebook wrote, "I will never understand why!"

Police said Eliza was bitten by one of the family's dogs and that the situation escalated quickly. It was unclear which of the family's three pitbulls bit the infant, The New York Post reported.Mackenzie Copley, the victim's mother, said she was "lost and broken" about her daughter's shocking demise. "This was the same dog who was side by side with my baby every single day," she said. Eliza's father, Kameron Turner, expressed his grief and said that "life was not so fair". "How can I continue living without her," he said."Elizah's face would light up the room and her laugh was contagious," her obituary read.

Franklin County Animal Control took the three dogs following the incident and will decide what happened to them after an investigation, according to The New York Post. Calling it a tragic incident, Columbus Police Sergeant James Fuqua said, "There is really not a lot of words I can say to convey how I

New extremist group claims responsibility for bombing near Greek railway company in Athens

world. A new extremist group claimed responsibility Sunday for a bomb that exploded near the offices of Hellenic Train, Greece's main railway services operator and the planting of another near the Labor Ministry in early February. The explosion Friday evening resulted in limited damage and no injuries. The perpetrators had forewarned of the explosion by calling two media organizations about 40 minutes before it happened. In a lengthy posting on the website Athens.indymedia.org on Sunday, the perpetrators, who styled themselves the Revolutionary Class Struggle, explained the reasons for their action, which they said was part of an armed struggle against the state. Revolutionary Class Struggle dedicated the bombings to "the Palestinian people and their heroic resistance" and paid tribute to Kyriakos Xymitiris, a man who was killed last year when the explosive device he was assembling exploded in a central Athens apartment. The explosion also came during widespread public anger over a 2023 railway disaster, Greece's worst, in which 57 people were killed and dozens more injured when a freight train and a passenger train heading in opposite directions were accidentally put on the same track.

The deadly accident exposed severe deficiencies in Greece's railway system, including in safety systems, and has triggered mass protests led by relatives of the victims against the country's conservative government on the occasion of the accident's second

Mario Vargas Llosa, Peruvian author and Nobel literature laureate, dies at 89

LIMA, Peru: Peruvian author Mario Vargas Llosa, Nobel literature laureate and a giant of Latin American letters for many decades, has died, his son said Sunday. He was 89."It is with deep sorrow that we announce that our father, Mario Vargas Llosa, passed away peacefully in Lima today, surrounded by his family," read a letter signed by his children Álvaro, Gonzalo and Morgana, and posted by Álvaro on X.

The letter says that his remains will be cremated and that there won't be any public ceremony."His departure will sadden his relatives, his friends and his readers around the world, but we hope that they will find comfort, as we do, in the fact that he enjoyed a long, adventurous and fruitful life, and leaves behind him a body of work that will outlive him," they added.

He was author of such celebrated novels as "The Time of the Hero" (La Ciudad y los Perros) and "Feast of the Goat." A prolific novelist and essayist and winner of myriad prizes, Vargas Llosa was awarded the Nobel in 2010 after being considered a contender for many years. Vargas Llosa published his first collection of stories "The Cubs and Other Stories' (Los Jefes) in 1959. But he burst onto the literary stage in 1963 with his groundbreaking debut novel "The Time of the Hero," a book that drew on his experiences at a Peruvian military academy and angered the country's military. A thousand copies of the novel were burned by military authorities, with some generals calling the book false and Vargas Llosa a communist. That, and subsequent novels such as "Conversation in the Cathedral," (Conversación en la Catedral) in 1969, quickly established Vargas Llosa as one of the leaders of the so-called "Boom," or new wave of Latin American writers of the 1960s and 1970s, alongside Gabriel García Márquez and Carlos Fuentes. Vargas Llosa started writing early, and at 15 was a part-time crime reporter for La Crónica newspaper. According to his official website, other jobs he had included revising names on cemetery tombs in Peru, working as a teacher in the Berlitz school in Paris and briefly on the Spanish desk at Agence France-Presse in Paris.He continued publishing articles in the press for most of his life, most notably in a twice-monthly political opinion column titled "Piedra de Toque" (Touchstones) that was printed in several newspapers. Vargas Llosa came to be a fierce defender of personal and economic liberties, gradually edging away from his communism-linked past, and regularly attacked Latin American leftist leaders he viewed as dictators.

Although an early supporter of the Cuban revolution led by Fidel Castro, he later grew disillusioned and denounced Castro's Cuba. By 1980, he said he no longer believed in socialism as a solution for developing nations.

34 killed, 117 injured after Russian missiles hit Ukraine amid peace talks

Russian ballistic missiles hit Ukraine's

Russia denies targeting civilians Zelenskiy urges Trump to visit Ukraine, calls for peacekeeping forces.

Sumy. Two Russian ballistic missiles slammed into the heart of the northern Ukrainian city of Sumy on Sunday, killing 34 people and wounding 117 in the deadliest strike in Ukraine this year, officials said.President Volodymyr Zelenskyy demanded a tough international response against Moscow over the attack, which came with US President Donald Trump's push to rapidly end the war struggling to make a breakthrough.Dead bodies were strewn on the ground in the middle of a city street near a destroyed bus and burnt-out cars in a video posted by Zelenskyy on social media."Only scoundrels can act like this, taking the lives of ordinary people," he said, noting that the attack had come on Palm Sunday when some people were going to church."You know, the people who are fighting against us always say that they are Orthodox (Christian) believers, that they believe in God, but we have experienced first-hand terrorism today. I have no words," said 27year-old PhD student Yevhen, a local resident who declined to give his surname. The leaders of Britain, Germany and Italy condemned the attack."These attacks show just what Russia's supposed readiness for peace is worth," German Chancellor Olaf Scholz wrote on social media.US Secretary of State Marco Rubio in a statement expressed condolences for the victims and said the attack was a "tragic reminder of why President Trump and his Administration are putting so much time and effort into trying to end this war."Zelenskyy, in an interview with CBS News' "60 Minutes" aired on Sunday, urged



Trump to visit Ukraine."Please come to see people, civilians, warriors, hospitals, churches, children, destroyed or dead,' Zelenskyy said in a video clip the program posted on social media. During the interview, which took place on Friday, Zelenskyy was asked if the United States had Ukraine's back. After a brief pause, Zelenskyy replied: "Even in this pause of mine, there's a problem, because I want to answer truthfully and quickly that the United States is our strategic, strong partner," he said. "But the pause is doubt. I don't doubt that the people of America are

with us, but in a long war, many details are forgotten."He called on the United States to provide forces as part of an international peacekeeping effort, specifically asking for Washington to help protect Ukrainian airspace with aircraft.Under Trump's administration, US officials have held separate rounds of talks with Kremlin and Kyiv officials to try to move toward a cessation of hostilities in Ukraine.Russian authorities did not immediately respond to a Reuters request for comment. Russia denies targeting civilians, but thousands have been killed and injured in its invasion of Ukraine. A separate Russian drone attack injured five people in the Black Sea port city of Odesa late on Sunday and damaged a medical facility, regional officials said.

The Sunday attacks followed a missile strike in the central Ukrainian city of Kryvyi Rih, Zelenskyy's hometown and far from the ground war's front lines in the east and south, this month that killed 20 people, including nine children.

Brazil's Bolsonaro recovering after 12-Hour surgery, wife expresses gratitude

UPDATED Former Brazilian President Jair Bolsonaro is recovering after undergoing surgery on Sunday, his fifth since being stabbed in the stomach while campaigning in 2018, his wife, Michelle, said in a social media post."Surgery concluded with success," she posted. "My heart overflows with gratefulness for each

one of you who have been praying."

The procedure started at 8:30 a.m.

local time (1130 GMT) and was scheduled to last six hours, but went on for about 12 hours because of the complexity of the surgery. The medical team said in a report that the procedure went well and that the former president was stable, without pain, and was in the hospital's intensive care unit.Doctors for the far-right leader are expected to talk to reporters on Monday morning, the hospital's press office said. Bolsonaro, 70, was hospitalized on Friday after feeling strong abdominal pain during an event with supporters in northeastern Brazil, forcing him to break off a regional tour aimed at drumming up political support. He was transferred to the nation's capital, Brasilia, where he lives, on Saturday night.Bolsonaro, a



hard-right former army captain who served as president from 2019 to 2022, has been campaigning around Brazil for Congress to pass an amnesty bill for his supporters who stormed the capital after he lost the 2022 election. In a message to allies before the surgery, he criticized the potential for a supporter to be sentenced to 10 years in prison, and again called for Congress to pass the amnesty bill."May God enlighten

each of the 513 representatives and 81 senators in their votes," he wrote. "If with our decisions we pave our eternity, this vote carries a significant weight."

Brazil's Supreme Court in March ruled that Bolsonaro should stand trial over accusations that he conspired to overthrow the government after his 2022 electoral defeat. He has denied any wrongdoing and called the trial an example of left-wing "lawfare" targeting conservative leaders such as himself and France's Marine Le

Bolsonaro has already been banned from running for office until 2030 for discrediting the country's voting system. If the Supreme Court finds him guilty, he could face a long prison sentence. Even so, he insists that he will run in next year's presidential election, casting himself as the best candidate to take on leftist President Luiz Inacio Lula da Silva, whose popularity has slipped amid high

Trump's 'nobody gets off the hook' warning triggers fresh tariff fears

world. US President Donald Trump on Sunday clarified that no country would be getting "off the hook" on tariffs, despite a 90-day temporary pause on some levies. He also dismissed reports suggesting that Chinesemade tech items like smartphones and computers might be exempt from the trade measures.

In a social media post on Sunday, Trump insisted that the exemption announced last week was not an "exception", adding that products like smartphones and computers would remain subject to existing 20 per cent 'Fentanyl Tariffs'. "There was no Tariff 'exception' announced on Friday," Trump wrote. "These products are subject to the existing 20 per cent Fentanyl Tariffs, and they are just moving to a different Tariff 'bucket." This comes after the US Customs and Border Protection announced that smartphones, computers, and other electronics imported from China would be exempt from the reciprocal 145 per cent tariffs that had been imposed on Chinese goods. The move came just days after President Trump had launched these sweeping tariffs, targeting a wide range of Chinese imports, in an attempt to address what he saw as unfair trade imbalances.

Trump, however, quickly clarified that the reprieve was temporary. In his Truth Social post, Trump emphasised that there would be no permanent relief for China. "NOBODY is getting 'off the hook' for the unfair Trade Balances, and Non Monetary Tariff Barriers, that other Countries have used against us," he said. "We are taking a look at Semiconductors and the WHOLE ELECTRONICS SUPPLY CHAIN."The temporary exemption for electronics has been seen as a relief for major US tech companies like Apple, Samsung, and Nvidia, who had expressed concerns that the 145 per cent tariffs would increase costs for consumers.

However, Commerce Secretary Howard Lutnick indicated that the reprieve would not last long. "Electronics are exempt from the reciprocal tariffs, but they're included in the semiconductor tariffs, which are coming in probably a month or two," Lutnick told ABC News.The trade war between the US and China escalated rapidly over the past few days. The US imposed 145 per cent tariffs on Chinese goods, including many electronics, in an effort to address trade imbalances. China quickly responded by imposing retaliatory tariffs of 125 per cent on US goods, triggering a tit-for-tat battle between the two economic giants.Trump's administration has long sought to reduce the trade deficit with China and reassert US control over critical industries like semiconductors, which are seen as a matter of national security. The upcoming semiconductor tariffs are expected to target key tech products essential to this supply chain."This is about making products in America," Trump added. "We will not be held hostage by other Countries, especially hostile trading Nations like China."The ongoing tariff policy has sparked uncertainty among investors, especially in the tech sector. After the exemption announcement, stocks of companies like Apple and Nvidia saw a brief rally.

New Jersey restaurant owner faces deportation after spying for Chinese government

UPDATED. Ming Xi Zhang, a 61-year-old Chinese citizen, and New Jersey restaurant owner, is in the custody of US Immigration and Customs Enforcement (ICE) and may be deported. He was previously convicted of working as an unregistered agent for the Chinese government.Zhang, who owns Ya Ya Noodles in Montgomery Township and is widely known locally as "Sushi John," was arrested on March 24 in Newark. He legally entered the US in June 2000 through Los Angeles International Airport, but officials say he later violated the conditions of his stay. In 2021, Zhang pleaded guilty to operating as an agent for the Chinese government without registering with the US Attorney General — a violation of the Foreign Agents Registration Act (FARA). Federal prosecutors say Zhang secretly met with Chinese intelligence officers in the Bahamas in 2016 and subsequently delivered USD 35,000 to an individual in New Jersey. He also hosted a Chinese operative at his home near Princeton on two separate occasions.

Court documents related to the case



remain sealed, leaving some of Zhang's activities unclear. However, his plea agreement resulted in a sentence of three years' probation and a \$10,000 fine, handed down on April 30, 2024.He had been released on a \$150,000 bond following his guilty plea in 2021, with the condition that he could face removal from the U.S.ICE officials say his espionage-related activities make him a national security threat. "Any illegal alien conducting activities related to espionage, sabotage or export control against the United States is subject to deportation," said ICE Newark Field Office Director John Tsoukaris.

Zhang is currently being held at the Elizabeth Detention Center while

Chinese national Zhang faces deportation from US He pleaded guilty to being an unregistered Chinese agent Zhang met with Chinese intelligence, delivered \$35,000

proceedings. Despite the gravity of the charges, his restaurant remains open and continues to receive support from the local community. "The whole town has been really supportive," a staff member told The New York Post. "Everyone's been coming in, offering phone numbers, talking to his family."Zhang's case comes amid a broader push by U.S. authorities to crack down on foreign influence operations and reinforce national security. In recent years, concerns have grown over Chinese nationals allegedly attempting to access sensitive US locations.

awaiting further immigration 8 Pak workers killed after Baloch militants open fire at car workshop in Iran

Islamabad Eight Pakistani workers were killed by Baloch militants who stormed a car repair workshop and opened fire after tying up the victims in Iran's Sistan-Baluchestan province, officials said on Sunday.All eight workers hailed from Associated Press of Pakistan reported.It said that the armed men barged into the workshop sometime on Saturday night in a village in the Meharistan district and, after tying the workers' hands and feet, opened indiscriminate firing and killed them. Later, the attackers fled from the site.A spokesman for the banned Balochistan National Army (BNA) claimed responsibility for the killing of eight Pakistanis. The incident prompted Islamabad to demand "full cooperation" from Tehran in investigating these "inhumane and cowardly" murders.

"Pakistan strongly condemns the inhumane

and cowardly killing of its nationals in Iran. We hope for the Iranian side's full cooperation in investigating the matter and in timely repatriation of victims' remains," the Foreign Office here said in

a statement. several areas of Punjab, the state-run It said that Pakistani officials in Iran were in "constant touch" with the authorities there for a probe into the incident and the repatriation of bodies.All the eight Pakistanis who were killed belonged to Bahawalpur city in southern Punjab, the Iranian officials said, adding that they were staying at the workshop where they used to dent, polish, paint and repair cars.Iranian authorities have said that the Iranian police were investigating the incident.

> Prime Minister Shehbaz Sharif has expressed deep sorrow, calling the attack a brutal act of terrorism. He urged Iran to arrest the perpetrators, ensure their swift punishment, and disclose the motive.



"Combating this ominous phenomenon requires collective and joint efforts by all countries," Iran's Ambassador to Pakistan, Reza Amiri Moghadam, said while denouncing the killings. He termed terrorism a shared threat to regional security.It was the second such incident in the Sistan Baluchestan. In January of last year, armed men killed nine Pakistanis in Saravan city who were also working in Iran as motor mechanics and staying at a

workshop.Local groups in Pakistan and Iran are part of a decades-long struggle for greater autonomy in Balochistan.

Last year, in January, Iran attacked militants inside Pakistan. Pakistan retaliated with a missile strike inside Iranian territory, escalating border tensions.Iran claimed it was targeting Jaish al-Adl, a militant group active against Iran, while Pakistan said it was aiming at the "hideouts" of two

militant groups inside Iran, the Balochistan Liberation Army (BLA) and the Balochistan Liberation Front (BLF).Pakistan's Balochistan has long grappled with insurgency and unrest. Locals, particularly the Balochs, have blamed governments for exploiting and profiting from Balochistan's resources while neglecting the development of the region itself.

Virat Kohli gets pranked by RCB teammates after win vs Rajasthan

New Delhi Royal Challengers Bengaluru players pranked Virat Kohli after their win against Rajasthan Royals in Jaipur. RCB's Tim David hid one of Virat Kohli's bats in his own kit and waited for the legendary batter to figure out what had happened. When Kohli came into the dressing room, he immediately noticed that he had only six bats in his kit bag and one was missing. Kohli asked around if anyone had seen his bat, but the rest of the team - including the coaches - refused to divulge any details. A slightly agitated Kohli started looking around the dressing room and finally found his bat hidden inside Tim David's kit. When Kohli went to confront David about it, the Australian batter hilariously said that he had only borrowed the bat. Later in the video, David revealed that Kohli had no clue where his bat was and, in fact, wasn't too concerned about finding it, as he had just scored a terrific fifty against Rajasthan.Dressing room banter on point. What did Tim David take from Virat's bag? Let's find out. ??#PlayBold #????RCB #IPL2025 pic.twitter.com/j9dIP1p2Np- Royal Challengers Bengaluru (@RCBTweets) April 14, 2025

IPL 2025: RR vs RCB Highlights | Match

On Sunday, Royal Challengers Bengaluru thumped Rajasthan Royals by 9 wickets at the Sawai Man Singh Stadium in Jaipur. RCB bowlers set up the win for the visiting



side with some exceptional bowling performance in the first innings of the match. Chasing a target of 174 runs, Phil Salt came out aggressively against Rajasthan to set up the chase. Virat Kohli grafted the innings beautifully for RCB and hit yet another half-century in the ongoing edition of the IPL. Kohli scored his 3rd fifty of the season, taking his run tally to 248 from 6 matches. He is firmly in place for the Orange Cap race and is currently in the 5th spot behind Nicholas Pooran (349), Sai Sudharsan (329), Mitchell Marsh (265) and Shreyas Iyer

DC vs MI: Karun Nair logs back into IPL, seamlessly syncs with new-age T20 game

New Delhi. Karun Nair made his IPL debut in 2013, but the past 12 years have been a rollercoaster for him. He has played for four different teams, yet hasn't been able to secure a permanent spot in any squad. In IPL 2023 and 2024, Nair didn't play a single game, which seemed to signal the end of his IPL

However, rather than giving up, Nair continued to work hard, determined not to accept that his IPL journey was over. In 2024, he made a strong statement with his bat across formats, especially during his campaign for Vidarbha in the Vijay Hazare Trophy. This performance brought him back



into the spotlight, not only for a potential IPL return but also for a place in the Indian team.On Sunday, Nair proved that his toplevel cricket career is far from finished. Although his team lost, Nair stole the show with an explosive 89 off 40 balls, including 12 fours and five sixes. It took a special delivery from Mitchell Santner to dismiss him against the run of play.

After Nair's departure, DC lost their momentum and were bowled out for 193 in 19 overs. Reflecting on his return to the IPL after three years, Nair shared that he patiently waited for his chance during his time away. Instead of dwelling on his past setbacks, he focused on staying ready to seize any opportunity that came his way.

Well, honestly, I felt confident. I felt I was well prepared to play in the IPL if given the opportunity. I've been preparing all season and waiting for my chance. It was all about being ready, and I respect the management's decision to pick the playing eleven. I have always followed the process of preparation, and for me, it's about being ready and performing for the team," Nair said in the post-match press conference. Runs and more runsIn the Vijay Hazare Trophy, India's premier one-day competition, Nair scored 779 runs in nine matches, averaging an incredible 389.50. tion last year.

Carlos Alcaraz cuts gap on Jannik Sinner in ATP Rankings, climbs to World No. 2 after Monte Carlo title

New Delhi Carlos Alcaraz had an outstanding start to his clay-court season last week, clinching the Monte Carlo title on Sunday for the first time in his career. After missing this Masters 1000 event last year, he earned the full 1,000 ranking points when he beat Lorenzo Musetti in the final, elevating his total from 6,720 to 7,720 points. Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

As a result, Alcaraz moves one place in the latest ATP rankings (April1 4), moving up from No. 3 to No. 2, surpassing Alexander Zverev, who lost his first match in Monte Carlo this year. Zverev's ranking points drop from 7,645 to 7,595, causing him to fall one place. This marks Alcaraz's first return to the Top 2 since October 28 last year, when he was also ranked No. 2; he had spent 23 consecutive weeks at No. 3 since then. Overall, this is his 89th week in the Top 2, with 36 weeks at No. 1 and 53 weeks at No. 2. Alcaraz also narrows the gap between him and current No. 1 Jannik Sinner, who is suspended presently, from 3,610 points (10,330 to 6,720) to 2,210 points (9,930 to 7,720).Sinner missed Monte Carlo while defending semi-final points as he serves a three-month suspension for two failed dope tests last year. Although Alcaraz can't overtake him before Sinner returns on the tour in Rome, winning both Barcelona and

Madrid in the coming weeks could reduce that gap to just 720 points, putting the No. 1 ranking within reach in Italy.

In addition to Alcaraz and Zverev's

place swap, there was movement elsewhere in the ATP Top 10: Alex de Minaur made the biggest jump, climbing from No. 10 to No. 7 just one spot shy of his career-high of No. 6 — after reaching the semifinals of his second Masters 1000 event. Andrey Rublev also rose from No. 9 back to No. 8, while Daniil Medvedev returned to the Top 10 after being outside for two weeks, moving from No. 11 to No. 9. This marked the 2021 US Open champion's first absence from the elite group in over two years, dating back to February

Meanwhile, Musetti closed in on a Top 10 debut, climbing from No.

16 to No. 11 — surpassing his previous career - high of No. 15 — after reaching the finals of his first Masters 1000 event. He's now just 15 points behind the No. 10-ranked Ruud, with scores of 3,215 to 3,200."I'm just really happy to have won Monte Carlo for the first time," Alcaraz said. "It's been a really difficult week with a lot of difficult situations. I'm really proud of myself, how

I've dealt with everything. It's been a really difficult month for me on the court and outside. Coming here and seeing how the whole hard work has paid off, I'm really



happy."This victory represents Alcaraz's first clay court success since his French Open triumph last season, with his only other clay court appearance resulting in a silver medal at the Paris Olympics.

Musetti, appearing in his first Masters 1000 final after defeating top 10 players Stefanos Tsitsipas and Alex de Minaur, started strongly but faced physical challenges as the match progressed. The Italian received medical treatment for his right leg when trailing 0-3 in the final set, though he continued to play despite the injury.

"It is not the way I would have wanted to win a match," Alcaraz said. "Lorenzo's been through a really tough week, long and intense matches. I feel sorry for him, one of the best results he has done. To end like this is not easy. Hopefully it's not serious and he's 100 percent soon."It was probably one of my best tournaments so far," Musetti said, who won bronze at last year's Olympics behind Alcaraz and gold medalist Novak Djokovic. "I'm disappointed I couldn't finish the match in the best way, for the crowd. You deserve it so I will keep going and try and come back for revenge."The match began with Musetti dropping his opening service

game but immediately breaking back and taking the first set, capitalising on Alcaraz's six unforced errorsAlcaraz's game improved significantly in the second set, which he won convincingly before completing the victory with a dominant final set.Both players will continue their clay court preparations at the Barcelona Open next week as they build toward the French Open at the end of May.

The Masters 2025: Rory McIlroy wins at Augusta National, completes career Grand Slam

New Delhi Rory McIlroy secured his first Masters victory and completed golf's career Grand Slam on Sunday at Augusta National, defeating Justin Rose in a sudden-death playoff with a four-foot birdie putt. The world number two from Northern Ireland overcame multiple setbacks during the final round, including squandering the solo lead three times, to join the elite group of players who have won all four major championships.

McIlroy's historic triumph came after 17 attempts at the Masters, making him the sixth golfer alongside Jack Nicklaus, Tiger Woods, Gary Player, Gene Sarazen, and Ben Hogan to achieve the career Grand Slam.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

"It feels incredible. This is my 17th time here. I was wondering if it would ever be my time. I'm thrilled and so proud to be able to call myself a Masters champion," McIlroy said. The victory earned McIlroy a record \$4.2 million prize from the tournament's \$21 million purse, along with the coveted green jacket."The last 10 years coming here with shoulders and trying to achieve that, I'm sort of wondering what we're all going to talk about going into next year's Masters," McIlroy reflected. The dramatic finale



unfolded when McIlroy needed a par on the 72nd hole to win but hit his approach into a greenside bunker and missed a five-foot par putt, forcing a playoff with Rose at 11-under 277."My battle today was with myself. How I responded to setbacks, that's what I'll take from this week," McIlroy stated.

the burden of the Grand Slam on my In the playoff, Rose's approach landed 15 feet

from the hole, while McIlroy placed his shot within four feet. After Rose missed his birdie attempt, McIlroy made his putt to clinch the victory."I've dreamed about that moment for

as long as I can remember," McIlroy said. The emotional win triggered an outpouring of feelings as McIlroy dropped to his knees on the 18th green, crying and later embracing his caddie Harry Diamond, wife, and daughter while fans chanted his nameThere was a lot of pent up emotion that came out on that 18th green. A moment like that makes all the years and all the close calls worth it," McIlroy shared.

The 35-year-old's journey t victory included overcoming a double-bogey start that erased his initial two-shot lead, briefly falling behind Bryson

DeChambeau before reclaiming the lead through two-shot swings on consecutive holes."I would say it was 14 years in the making, from going out with a four-shot lead in 2011 and feeling I could have done something there," McIlroy recalled, referencing his previous Masters disappointment.

Karn trumps Karun: MI spinner points out game-changing moment in nervy match vs DC

New Delhi . 37-year-old Karn Sharma picked up the Player of the Match award in his very first game of the Indian Premier League 2025. Karn trumped Karun Nair's incredible 89-run innings to hand Delhi Capitals their first defeat of the season.

Defending 205 runs, Mumbai were put in a spot of bother against Delhi, as the hosts were on a rampage with Karun Nair going all guns blazing. Karun had dominated Jasprit Bumrah in the game and had raced to a 22-ball fifty in his IPL comeback. After Bumrah got bashed around the park, spinners Karn Sharma and Mitchell Santner took matters into their own hands to get MI back in the game.Karn and Santner picked up five wickets between them. While Karn dismissed Abishek Porel, KL Rahul, and Tristan Stubbs, Santner got the prized wickets of Karun Nair and Vipraj Nigam. Speaking at the post-match press conference, Sharma said that the change of ball turned out to be a crucial point in the



match."They were cruising at 10-11 runs per over. So it was important for Santner and me to chip in with crucial wickets," Karn Sharma told the media after the match.

'The change of ball can be ermed as the gamechanging moment. The old ball was getting wet due to dew. The new ball gives you that 'purchase' from the wicket, which Santner and I were able to extract," he added."DC were on the front foot in the run chase. We were a bit under pressure until Karun Nair's wicket, after which 2-3 wickets fell in quick succession. Thereafter, KL Rahul got dismissed and we were right back in the game. He [KL Rahul] performed well in the previous match [vs RCB], so his wicket was pivotal,' the spinner concluded. This was Mumbai's first win away from home and their second win overall in the competition. The team executed three back-to-back run-outs in the final overs of the Delhi innings to win the match by 12 runs. Mumbai are currently in 7th spot in the league table with 4 points from 6

IPL 2025: Ayush Mhatre likely to join CSK, will link up with squad before MI game

New Delhi: Ayush Mhatre is likely to join the Chennai Super Kings camp for the remainder of the Indian Premier League (IPL). It has been reliably learnt by TimesofIndia.com that the 17-year-old opener will link up with the squad ahead of CSK's fixture against Mumbai Indians on April 20.As reported by TOI on April 3, Mhatre had been called up by the franchise for mid-season trials in Chepauk. He had gone unsold during the mega auction in Jeddah last year.Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!But with Ruturaj Gaikwad ruled out for the remainder of the season, Mhatre has thrown his candidature in the ring for the five-time champions.Gaikwad was ruled out of the rest of the IPL season with an elbow injury with MS Dhoni taking over the captaincy duties. CSK have had a disastrous season with one win from six matches and are sitting bottom of the points table.

The injury to Gaikwad was confirmed by CSK

head coach Stephen Fleming on the eve of their eventual loss to Kolkata Knight Riders. The 28-year-old picked up the injury during CSK's match against Rajasthan Royals in



Guwahati on March 30. He was struck on his elbow when charging to a Tushar Deshpande delivery, but continued batting and scored 63 in that game. Gaikwad played two more matches after that, scoring 5 and 1 against Delhi Capitals and Punjab Kings, respectively. With the regular CSK captain

> have seemingly shifted focus towards Mhatre as an injury replacement.Mhatre had earlier joined the CSK camp in Chennai from Rajkot, where he was part of BCCI's National Cricket Academy's zonal camp for Under-19 cricketers."Yes, we've called him for trials. He has impressed our talent scouts," CSK MD & CEO Kasi Viswanathan had told TOI.

The youngster had a fine debut season for Mumbai in 2024-25, scoring 458 runs in seven matches @ 65.42, with

two hundreds and one fifty in the Vijay Hazare Trophy, and 471 runs in eight matches @ 33.64 with two centuries and one fifty, with top score of 176 against Maharashtra in the Ranji Trophy.

IPL 2025: Karn Sharma Overshadows Karun Nair As Mumbai Indians Beat Delhi Capitals By 12 Runs

Mumbai Indians' 'forever captain' Rohit Sharma's tactical call was executed to perfection by 'Impact Substitute' Karn Sharma as they made a comeback for the ages with a 12-run victory over Delhi Capitals here on Sunday to bring their IPL campaign back on track. Chasing a target of 206, Karun Nair's brilliant 40-ball-89 went in vain as Delhi Capitals, who were cruising along at 119 for one just after the halfway stage, ended on 193 in 19 overs after an eventful penultimate over which saw three run outs and two boundaries. Rohit, the tactician par excellence, indicated to his coach Mahela Jayawardene to bring in Karn and also asked for a ball change after the 11th over. And suddenly the ball started to grip and turn with Mitchell Santner's dream delivery disturbing Nair's off-stick and Karn picking up three for 36 on a day ruled by wrist spinners.Once KL Rahul, not known for handling pressure situations on a slightly slowish track, was fooled by a classic legbreak by Karn, which lobbed up, the DC

batting started to crumble. In the end, MI's brilliant ground fielding showed its effect as three run outs ended Delhi Capitals's brilliant streak of wins. This is the kind of victory that lifts the spirit and Rohit's observation on the changing nature of the track and initiation of spinners on a day when Jasprit Bumrah was off-colour did the trick.For DC, Nair, one of India's only two Test triple centurions but who was down and out till the start of the 2024-25 domestic season, became the proverbial phoenix, rising from the ashes with stupendous performance on the day. The pick-up pull off Bumrah over square-leg and a lofted offdrive for six in the seventh over had stunned the bowler and two more sixes off MI skipper Hardik Pandya had the crowd yearning for more.ut Santner pitched one on middle stump, got it to turn away and squared up the batter, and it was certainly the gamechanging moment as far as MI were concerned.Earlier, Kuldeep Yadav's artistry was well complemented by young leg-



picking wickets before Tilak Varma's attractive half-century took Mumbai Indians to 205 for 5 in 20 overs. Tilak (59 off 33 balls) was te only MI batter to capitalise on a good start, hitting six fours and three sixes and making amends for his poor scores in some of the earlier games. Naman Dheer (38 not out off 17 balls) then used the long handle to prop up the total.On a track where stroke-

spinner Vipraj Nigam's happy knack of making wasn't very difficult, the two wrist spinners from Uttar Pradesh snared four wickets between them while giving away 64 runs in their eight overs, which could be termed as brilliant considering the conditions. The two spinners actually reduced the pace of their deliveries,

allowing them to slightly grip off the surface and some of the MI batters perished while going for risky shots.Rohit's (18 off 12 balls) wretched IPL form continued as young Vipraj (2/41 in 4 overs) found him plumb infront with a googly that he missed while trying to go for a slog sweep over the

cow-corner. He now has 56 runs from five innings.For Vipraj, it is some kind of an achievement getting Virat Kohli and Rohit in back-to-back games. Rohit's opening partner Ryan Rickleton (41 off 25 balls) did show spark but the seasoned Kuldeep (2/23 in 4 overs) seemed to have tied a thread to the white Kookaburra, controlling its length like

Tuesday, 15 April 2025





am Kapoor's wife Gautami Kapoor was recently seen at a fashion event, and during an interaction with the paparazzi, she was asked about her alleged rift with Ekta Kapoor. Gautami instantly replied that there is no grudge against Ekta, and that she believes in 'live and let live'. When asked whether she would want to collaborate with the producer and Ram Kapoor in the future, she said that she would love to work with both of them. For the unversed, Ekta had seemingly taken a dig at Ram after he denied undergoing Ozempic treatment for weight loss. In response, Gautami shared a video mimicking Ekta, which went viral on social media. A video shared by paparazzo Viral Bhayani shows Gautami Kapoor addressing the viral video, and reacting to whether she has had a fallout with Ekta Kapoor. She said, "I just believe that you should live and let live, and be happy and at peace. That's what matters at the end." When asked if she would like to collaborate with Ekta and Ram Kapoor in the future, she replied, "That'll be amazing! Ekta, Ram and me! Wow what a combination. I am waiting for that day. I would love to work with both of them.'

When asked whether that means there is no grudge against Ekta, Gautami said, "Not at all. I am not a person who holds grudges. I'm here to be happy. Life is short, It's a short ride. We all have to enjoy. Check out the video below!

This isn't the first time that Gautami reacted to her viral video mimicking Ekta Kapoor. Earlier, in an interview with Vickey Lalwani, she said, "I have not done this with any kind of vengeance, or any kind of revenge or vested interest. Ye social media ne isko itna hype kar diya hai. Logon ke beech mein ab ye debate chal rahi hai. Maine is attitude se ye kiya hi nahi hai, ki mujhe badla lena hai, ya mujhe kuch vengeance hai kisi ke saath. Aisa kuchh bhi nahi hai. (Social media has given it so much hype. Now there's this debate going on among people. I never had this attitude of wanting to take revenge or get back at anyone.

RJ Mahvash Pens Strong Note, Suggests How To Make Life 'Less Painful': 'Khudse Karle Mohabbat'



J Mahvash, who is rumoured to be dating Yuzvendra Chahal after his divorce from Dhanashree Verma, offered a bit of life advice for fans. Taking to her Instagram story, she replied to a fan who turned to her for life advice. Her post offered a practical approach to how to remain "unavailable" for "unavailable people". It's unclear whether her thoughts were shared in general or meant as a subtle dig at someone. "Someone in dms asked "give me an advice for life". I don't know life but here you go; execute it for all your rishtedars, fake friends, crush etc," she wrote. She then ushered pearls of wisdom on how to make "life less painful". Then simply make yourself UNAVAILABLE for people who are unavailable for you. Read that again," she posted. Mahvash then broke it down for her followers. "They don't pick your calls, don't



text them asking why. They don't reply on time, don't enter that inbox again. They don't see you

when you need them the most because hey are "busy", be busy for them now. Life is short to waste on emotionallyunavailable people. Find friends who are as available as you are," she posted.

Mahvash shared her Instagram story by adding the song 'In Dino' by Pritam. On a concluding note and amid her dating rumours, she wrote, "Jab mile thodi fursat khudse karle mohabbat." Take a look at the post here:RJ Mahyash grabbed the headlines after she was spotted alongside Indian cricketer Yuzvendra Chahal at the Champions Trophy 2025 final in Dubai, where the two were seen cheering for Team India. Following Chahal's split from Dhanashree Verma, social media was quick to speculate about a possible romance brewing between him and Mahvash.

However, in a candid chat on a recent Yuvaa podcast, Mahvash opened up about her take on relationships. She clarified that she's currently single and admitted that the modern outlook on marriage often leaves her confused. Mahvash also revealed she isn't into casual dating-she believes in meaningful connections, saying she'd only date someone she could see a future with.On the work front, RJ Mahvash is all set to make his acting debut with an Amazon Mini Series.

Paps Ask

Rakul Preet

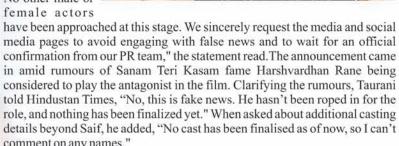
If She's A Part Of Race 4; **Her Smile Drops BIG Hint**

t is no secret that producer Ramesh Taurani is currently working on the fourth instalment of his Race franchise. While Saif Ali Khan has rejoined the film's cast, there have been several speculations about the film's leading lady and the antagonist. Reportedly, Rakul Preet Singh has been approached for the film. Just days after Taurani stated that only two actors were in consideration, Rakul's response to a paparazzo's question about Race 4 sparked speculations. Rakul Preet was clicked after walking the ramp at Bombay Fashion Week 2025. Once off-stage, a pap asked about her casting in Race 4. Though Rakul chose silence, she smiled coyly at the question and kept walking. While that may be a significant hint, don't be

surprised if an official announcement soon follows.

Recently, Ramesh Taurani cleared that only two actors are being considered for Race 4 as of now. His team further urged everyone not to believe in false narratives about the film's casting.

"We would like to clarify that we are currently in discussions only with Saif Ali Khan and Sidharth Malhotra for the next installment of the Race franchise (Race 4) which is currently it its scripting phase. No other male or





comment on any names."



fashion icon of Bollywood. She has often given us fashion goals, and once again, the actress shared a series of photos in pastel colour lehenga. In no time, it went viral. However, this time, it was her caption that grabbed our attention.

Taking to her Instagram handle, Kareena shared photos in which she is seen wearing a pastel green colour lehenga. To complete the look, the actress opted for subtle makeup. "Day dreaming about my kadhi chawal," read the caption. One of the fans wrote,

"When decency speaks." Another wrote, "Just beautiful no one can touch her aura."

The actor was recently spotted at the Mumbai airport, and like all her airport looks, this OOTD was as stylish and comfortable as it could get. The actor opted for an all-blue ensemble and rocked the monochrome aesthetic like a pro. Viral videos and photos from the airport show Kareena Kapoor exiting her car and making her way to the airport. The actor was accompanied by one staff member from her team. She smiled for the cameras before entering the airport. Her OOTD was all about comfort. She opted for a no-makeup look, and she looked as stunning as ever.

Recently, Kareena shared photos from her shoot alongside

dashing snapshots of Saif horseriding in a different city. With her signature wit, she called him "guilty" of his charm, playfully referencing their different locations and busy schedules.In the pictures shared on her Instagram, Kareena exuded boss energy in a violet shirt and matching trousers, complete with a police belt and sunglasses. Seated confidently on a sofa between takes, the actor looked every bit the stylish officer on

duty. On the professional front, Kareena was last seen in the action drama film Singham Again, which was released in November last year. Helmed by Rohit Shetty, the film featured a stellar cast including Ajay Devgn, Deepika Padukone, Tiger Shroff, Arjun Kapoor, Ranveer Singh, Akshay Kumar and Jackie Shroff. She will reportedly be next seen in director Meghna Gulzar's upcoming drama film, tentatively titled Daayra. An official announcement of the film from the makers is still awaited.

